के. डी. न्यूज

सुलतानपुर से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

UPHIN 47497

वर्ष–01 अंक 17 सुलतानपुर गुरूवार 21 नवम्बर 2024 मूल्य : दो रूपया पृष्ठ : 4

पांच सौ साल पहले एकजुट हुए होते, तो नहीं देखना पड़ता गुलामी का मुंह–योगी आदित्यनाथ

संवाददाता।

लखनऊ योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अयोध्या में 500 वर्षों से ज्यादा समय से रुका हुआ राम मंदिर निर्माण का काम सनातनियों की एकता के कारण दो वर्षों में पूरा हो गया और अगर देश 500 साल पहले एकजुट होता तो उसे गुलामी का सामना नहीं करना पड़ता। उन्होंने अयोध्या में सुग्रीव किले के भव्य श्री राजगोपुरम द्वार का अनावरण किया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अयोध्या में 500 वर्षों से ज्यादा समय से रुका हुआ राम मंदिर निर्माण का काम सनातनियों की एकता के कारण महज दो वर्षों में पूरा हो गया और अगर देश500 साल पहले एकजुट होता तो उसे गुलामी का सामना नहीं करना पड़ता। आदित्यनाथ ने आज अयोध्या में सुग्रीव किले के भव्य श्री राजगोपुरम द्वार का अनावरण किया। इस अवसर पर देशभर से आए साधु–संतों को संबोधित करते हुए उन्होंने अयोध्या में भव्य श्रीराममंदिर के निर्माण और सनातन धर्म की एकता पर बल दिया।उन्होंने कहा, जो काम 500 सालों से रुका हुआ था, जिसके लिए न जाने कितनी पीढ़ियों ने बलिदान दिया, वो केवल सनातनियों के एकजुट होने मात्र पर प्रधानमंत्री (नरेन्द्र) मोदी जी के नेतृत्व में दो वर्ष में ही पूरा हो गया। अगर 500 साल पहले हमने एकता दिखाई होती, तो गुलामी का सामना नहीं करना पड़ता। मुख्यमंत्री ने श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के निर्माण को पीढ़ियों के संघर्ष का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि 500 साल का लंबा इंतजार समाप्त हुआ है और प्रधानमंत्री के नेतृत्व में रामलला को उनके भव्य मंदिर में विराजमान करने का सपना पूरा हुआ है। आदित्यनाथ ने कहा कि सनातन धर्मावलंबियों की एकता ही इस सफलता का आधार है।

सीडीओ की अध्यक्षता में किसान दिवस का हुआ आयोजन।

सुलतानपुर उ0प्र0 शासन द्वारा दिये गये निर्देश के क्रम में मुख्य विकास अधिकारी अंकुर कौशिक की अध्यक्षता में तृतीय बुधवार को कृषि विज्ञान केन्द्र में किसान दिवस का आयोजन हुआ। उक्त बैठक में उपस्थित किसानों को किसान हित में संचालित योजनाओं की जानकारी तथा उनकी समस्याओं का निस्तारण किया गया। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा सम्बन्धित को जर्जर तार एवं केबिल बदलने तथा औरंगाबाद माइनर की जॉच हेतु टीम गठित करने के लिये निर्देशित किया गया। उक्त बैठक में डॉ0 ए0के0 कृषि विज्ञान केन्द्र सुलतानपुर ने पशुओं में लगने वाली बीमारियों एवं उपचार के बारे में जानकारी दी। डॉ0 अतुल सिंह वैज्ञानिक कृषि विज्ञान केन्द्र के0वी0के0 सुलतानपुर ने सम्बोधन में रबी सीजन में बोई गई फसलों में लगने वाले रोगों एवं उनके उपचार के बारे में अवगत कराया गया। मुख्य विकास अधिकारी ने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसान दिवस में प्राप्त शिकायतों का निस्तारण 10 दिवस के अन्दर करना सुनिश्चित करें एवं सम्बन्धित किसानों को उनकी समस्याओं के समाधान के निस्तारण से उनकों अवगत कराया जाय। इस अवसर पर उप कृषि निदेशक रामाश्रय यादव, जिला कृषि अधिकारी सदानन्द चौधरी, मुख्य पशुचिकित्साधिकारी डॉ0 अशोक कुमार तिवारी, अधिशाषी अभियन्ता विद्युत वितरण खण्ड बल्दीराय अरूण कुमार, अधिशाषी अभियन्ता विद्युत वितरण खण्ड कादीपुर डी0के0 सिंह, मो0 जफर अब्बास एवं महेन्द्र राम सहायक अभियन्ता नलकूप, नितीश चित्रांश अधिशाषी अभियन्ता सिंचाई खण्ड, समीर पात्र जिला प्रबन्धक बैंक, संजय प्रसाद जिला विपणन अधिकारी, सहायक अभियंता लघु सिंचाई मंगल यादव, उप संभागीय कृषि प्रसाद अधिकारी सदरध्कादीपुर दीपचन्द्र चौरसिया, सहायक अभियन्ता सिंचाई खण्ड–2 लोकेश राय, प्रतिनिधि जिला उद्यान अधिकारी पवन कुमार, जिला गन्ना अधिकारी राजेन्द्र प्रसाद सहित अन्य अधिकारियों एवं प्रगतिशील कृषक राम कीरत, जगदीश सिंह, ओम प्रकाश सिंह उपस्थित रहे।

स्व इन्दिरा गांधी का जन्मदिन मनाया गया

कैम्पियरगंज गोरखपुर ।विधानसभा क्षेत्र कैम्पियरगंज के कांग्रेस जनों द्वारा भारत के पूर्व प्रधानमंत्री स्व इंदिरा गांधी का जन्म उनके चित्र पर माल्यार्पण कर मनाई गई। इस अवसर पर कांग्रेस जनों ने उनके प्रधानमंत्री काल पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वह आधुनिक भारत के विकास निर्माता थी तथा वह एक कुशल शासक के रूप में जानी जाती थी, उन्होंने देश के गरीबों, किसानों, बेरोजगारों, महिलाओं के लिए कई जन कल्याणकारी योजनाओं को चलाया। उन्होंने देश से गरीबी हटाने का नारा दिया था तथा बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया क्योंकि देश में उस समय बहुत गरीबी तथा खाद्यान के मामलों में देश आत्म निर्भर नहीं था। उन्होंने सन 1971 में भारत पाक युद्ध में पाकिस्तान के 95000 सैनिकों को आत्मसमर्पण कराया ।पाकिस्तान को दो टुकड़ों में विभाजित कर बांग्लादेश का निर्माण कराया । उनके अंदर दीघा शक्ति थी तथा पड़ोसी देशों से अपने संबंध अच्छे रहे थे । इसी वजह से लोग उन्हें मां दुर्गा का अवतार कहते थे । उन्होंने देश में बड़े–बड़े उद्योगों का जाल बिछाया जो आज भी चल रहे हैं । वह देश को विकसित करने के लिए सतत प्रयत्नशील रही । इस अवसर पर मुख्य रूप से हजारीलाल जायसवाल, सदस्य पीसीसी हरिश्चंद्र अग्रहरि, जिलाध्यक्ष कांग्रेस सेवा दल शमशाद आलम (एडवोकेट), सुरेंद्र कुमार ब्लॉक अध्यक्ष कांग्रेस कमेटी, अखिलेश यादव, अनवर अली, दिलीप यादव, नरसिंह मिश्रा, धीरज मोदनवाल, रामनिवास प्रसाद, टिकरी प्रसाद, राजन गुप्ता, राकेश भारती, माखनलाल आदि लोग उपस्थित रहे ।

सभासद के शिकायत पर सूर्यांश ट्रांसपोर्ट अयोध्या संभाग एवं आजमगढ़ संभाग भी हुआ पांच वर्षों के लिए ब्लैक लिस्टेड

गोरखपुर। नगर पंचायत पीपीगंज के सभासद एडवोकेट रामानंद दाढ़ी वाले के शिकायत पर अयोध्या सम्भाग के जलालपुर एवं भीआऊ एवं आजमगढ़ संभाग के मार्टीनगंज का पांच वर्षों के लिए(डिबार) ब्लैक लिस्टेड कर दिया गया है। सभासद ने बताया कि हमने उच्च न्यायालय इलाहाबाद हाईकोर्ट में कैबिएट भी दाखिल कर दिया है। क्योंकि नौनिहाल गरीब बच्चों का मिड डे मील योजना राशन की कालाबाजारी सूर्यांश ट्रांसपोर्ट द्वारा किया जाता था। और कई बार फर्म ब्लैक लिस्टेड भी हुआ लेकिन नगर पंचायत पीपीगंज के चेयरमैन लक्ष्मण विश्कर्मा का राजनीतिक पकड़ मजबूत होने की नाते एवं धन और बल पर पुनः बहाल करा लिया जाता था लेकिन सभासद ने कहा कि इस बार किसी भी शर्त पर खाद्यान्न का कालाबाजारी करने वाले के ऊपर कार्यवाही सुनिश्चित कराना है जिससे कोई भी इस तरह का कृत्य ना कर सके। सभासद ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर भरोसा जताते हुए कहा कि मुख्यमंत्री जी के रहते कोई भी भ्रष्टाचारी भ्रष्टाचार नहीं कर सकता है चाहे वह कोई भी हो।

सभासद के शिकायत के बाद अध्यक्ष लक्ष्मण विश्वकर्मा के ऊपर स्टाम्प की कमी हुआ सिद्ध

उप निबंधक के द्वारा जांच में पाया गयी कई कमियां

गोरखपुर। नगर पंचायत पीपीगंज हनुमत नगर वार्ड नंबर 2 के सभासद एडवोकेट रामानंद दाढ़ी वाले ने नगर पंचायत पीपीगंज के अध्यक्ष लक्ष्मण विश्वकर्मा ऊपर आरोप लगाए थे कि इन्होंने कई बहुमूल्य वेश कीमती जमीन को क्रय किए हैं जो सड़क के किनारे हैं लेकिन स्टांप की बचत करने के इरादे से उन्होंने सरकार से स्टैम्प की बचत की एवं सभासद ने जिलाधिकारी गोरखपुर कृष्णा करुणेश जी को शिकायती पत्र दिया जिसके फल स्वरुप कैम्पियरगंज के उपनिबंधक ने स्थलीय जांच कराई। जांच के उपरांत कई कमियां पाई गई एवं विलेख की गोपनीय आख्या सहायक महानिरीक्षक निबंधन गोरखपुर को वसूली हेतु संदर्भित कर दिया गया। जिसमें सभासद से बात किया गया तो उन्होंने बताया कि हमने जिला अधिकारी कृष्ण करुणेश को शिकायती पत्र 22.10.2024 को दिया था, इसके फल स्वरूप कार्यवाही की गई है।

डीएपी खाद की किल्लत और कालाबारी को लेकर सपाईयों ने सौंपा ज्ञापन

सहजनवा गोरखपुर । डीएपी खाद की किल्लत और कालाबाजारी को लेकर समाजवादी पार्टी के विधान सभा अध्यक्ष कमांडो मनीष यादव उर्फ गोलू के नेतृत्व में दर्जनों की संख्या में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने उपजिलाधिकारी सहजनवा दीपक कुमार गुप्ता को ज्ञापन सौंपा। आरोप लगाया गया कि मुख्यमंत्री के जिले में बुवाई के ऐन समय पर पूरे जिले में डीएपी खाद के लिए किसानों में हाहाकार मची हुई है। खाद के अभाव में किसान विधिवत परेशान है। लेकिन शासन प्रशासन के लोग इस पर जरा सा भी ध्यान आकर्षित नहीं हो रहा है। सरसों सहित अनेक फसलों के बुआई का समय आ चुका है। लेकिन डीएपी खाद की आपूर्ति न होने से किसान परेशान हैं। मजबूर होकर किसान निजी दुकानों से अधिक दाम दे कर खरीद कर रहे है। कुछ डीएपी जो समितियों पर पहुंच रही है इसमें कालाबाजारी हो रहा है। खाद न मिलने से किसानों के फसल बुआई में देरी हो रही है। जिससे पैदावार प्रभावित होगा। ज्ञापन सौंपने वालो में जिला उपाध्यक्ष गिरीश यादव, जिला महासचिव रामनाथ यादव, मोहम्मद अली, सुनील यादव, संदीप कुमार, पूजा निषाद, संगीता देवी, महेंद्र यादव, ताज मुहम्मद सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद थे।

किन्नर सिंदूर बाबा को मिला बड़ा सम्मान, किन्नर प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नियुक्त

महावनखोर गोरखपुर। । गोरखपुर विजयनाथ अनिरुद्ध किरन बाबा प्रेमचन्द मानव सेवा न्यास ने एक ऐतिहासिक फैसला लेते हुए किन्नर सिंदूर बाबा को किन्नर प्रकोष्ठ का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नियुक्त किया है। इस फैसले से किन्नर समाज में उत्साह का माहौल है और हजारों समर्थकों ने सिंदूर बाबा को बधाई दी है।न्यास के मुख्य ट्रस्टी विनोद कुमार त्रिपाठी ने बताया कि सिंदूर बाबा के समाज सेवा के कार्यों को देखते हुए उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्होंने कहा कि सिंदूर बाबा किन्नर समाज के लिए एक प्रेरणा हैंऔर उनके नेतृत्व मेंसमाज नई ऊंचाइयों को छुएगा।इस अवसर पर उपस्थित प्रदीप कुमार, आनंद शंकर पाठक, अवधेश सिंह, मनोज रावत, किन्नर निकिता पाण्डेय, किन्नर नैना, किन्नर काजल, फिरोज, सुधा त्रिपाठी आदि ने सिंदूर बाबा को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

असरोगा टोल पर मंत्री सोनम किन्नर से टोल कर्मियों ने की अभद्रता।

सुल्तानपुर– असरोगा टोल प्लाजा पर दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री सोनम किन्नर से टोल कर्मियों ने की अभद्रता। योगी सरकार की पूर्व दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री का इल्जाम, शाम को शराब पीकर टोल कर्मचारी नागरिकों से आए दिन करते बदतमीजी। मौके पर पहुंचे भाजपा नेता चिरंजीवी मिश्रा उर्फ मोंटी और कुड़वार थाने की पुलिस। स्थानीय लोगों और पुलिस ने बीच बचाव कर कराया मामले का समाधान। राज्य मंत्री ने लगाए टोल प्रशासन हाय हाय के नारे। थानाध्यक्ष कुड़वार चंद्रभान वर्मा बोले, बीच बचाव कर, किया गया मामले का समाधान।

राज्यपाल से सम्मानित उन्नतशील किसान की पत्नी का आकस्मिक हुआ निधन।

सुल्तानपुर– बल्दीराय तहसील क्षेत्र के नंदौली गांव निवासी प्रगतिशील किसान जमील अहमद की पत्नी का देर रात हुआ आकस्मिक निधन। निधन से आस पड़ोस के गांव के लोगों का मौके पर लगा जमावड़ा। उन्नतशील खेती किसानी के लिए राज्यपाल से सम्मानित हो चुके हैं किसान जमील अहमद।

ब्लाक स्तरीय संगोष्ठी का आयोजन

चरगांवा गोरखपुर। ब्लाक संसाधन केंद्र चरगांवा के परिसर में एक दिवसीय ब्लाक स्तरीय संगोष्ठी एवं उन्मुखीकरण कार्यक्रम संपन्न हुआ। जिसमें विकासखंड चरगांवा के समस्त परिषदीय विद्यालयों के प्रधानाध्यापक एवं ग्राम पंचायत के प्रधानों को परिषदीय विद्यालयों में चल रही योजनाओं जैसे डीबीटी आपरेशन कायाकल्प निपुण भारत मिशन बालिका शिक्षा आउट ऑफ स्कूल बच्चों का नामांकन दिव्यांग बच्चों की शिक्षा पर विस्तार से परिचर्चा की गई । कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में ब्लाक प्रमुख श्रीमती वंदना सिंह एवं विशिष्ट अतीथि के रूप में खंड विकास अधिकारी सत्य प्रकाश सिंह विभिन्न ग्राम पंचायत के प्रधान एवं विद्यालयों के प्रधानाध्यापक, विकास खंड के समस्त इआरपी बच्चों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए खंड शिक्षा अधिकारी विजय कुमार गुप्त ने कार्यक्रम के उद्देश्य एवं रूपरेखा पर प्रकाश डाला खंड विकास अधिकारी महोदय ने विद्यालयों में मूलभूत अवस्थापना सुविधाओं के संतृप्तिकरण में अपना सहयोग देने की बात की । ग्राम प्रधान संघ के अध्यक्ष सुमित साहनी ने विद्यालयों के साफ–सफाई के लिए सफाई कर्मियों को रोस्टर के अनुसार साफ सफाई की बात की । मुख्य अतिथि ब्लाक प्रमुख श्रीमती वंदना सिंह द्वारा विद्यालयों के विकास में आने वाली समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए खंड शिक्षा अधिकारी एवं खंड विकास अधिकारी को समन्वय के साथ मिलकर काम करने एवं अपना योगदान देने की बात की।

खुद पर रखें विश्वास सफलता अवश्य मिलेगी – प्रो. अशोक मिश्र

मिस फ्रेशर वर्तिका यादव, मिस्टर फ्रेशर संतोष कुमार चुने गए

ब्रह्मपुर गोरखपुर। । खुद पर विश्वास रखें और अपने सपने को कभी न छोड़ें एक दिन सफल अवश्य होंगे। उक्त बातें अखिलभाग्य महाविद्यालय रानापार गोरखपुर में बुधवार को कला संकाय विभाग की तरफ से नये छात्रों के स्वागत मेंआयेजित कार्यक्रम मेंबतौर मुख्य अतिथि केंद्रीय हिंदी संस्थान आगरा के प्रोफेसर डॉ. अशोक मिश्र ने कही। विशिष्ट अतिथि योगेंद्र कुमार ने कहा कि हमारे इस कालेज मेंसम्मान, समावेश व विविधता की संस्कृति को बढ़ावा देने की एक मजबूत परंपरा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. रागिनी राय ने कहा कि छात्रों के व्यक्तित्व के विकास के लिए

फर्जी तरीके से वाहन बेचकर जालसाज ने 3.10 लाख रूपये हड़पा केस दर्ज

सहजनवा गोरखपुर । । महिंद्रा एंड महिंद्रा कंपनी का रिकवरी एजेंट बता कर फर्जी तरीके से वाहन बेचकर जालसाज ने 3.10 लाख रिया हड़प लिया है

पीड़ित के शिकायत पर पुलिस ने जालसाज के खिलाफ जालसाजी का केस दर्ज कर लिया है। मिली जानकारी से खजनी थाना क्षेत्र धूवहां निवासी राज साहनी पुत्र सुरेंद्र साहनी की मुलाकात गीडा सेक्टर 22 में रह रहे एक जालसाज से हुआ। जिसका मूल निवास कोपिया थाना बखिरा जिला संतकबीरनगर है। उससे पुराना वाहन खरीदने की बात हुए तो उसने कहा कि महिंद्रा एंड महिंद्रा कंपनी ने रिकवरी एजेंट है। किस्त न जमा होने पर कंपनी वाहन को खींच कर लाती है। उसे बेच देती है। पीड़ित जालसाज के झांसे में आकर 4.10 लाख रूपये में एक मारुति सुजकी लिया। बाद में पता चला कि वह व्यक्ति जालसाज है। दबाव बनाने पर 1 लाख रुपया वापस किया। शेष रुपया हड़प गया है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर अष्टभुजा गिरी पुत्र हिंद केसरी गिरी के खिलाफ रुपया हड़पने का केस दर्ज कर लिया है।

धान खरीदारी में आई तेजी

घघसरा गोरखपुर । । पाली क्षेत्र के मिनवा मे धान खरीदारी में तेजी से शुरू हो गई है। पाली क्षेत्र के मिनवा हाट निरीक्षक पवन पाल सिंह की देखरेख में किसान अपनी बारी का इंतजार करते हुए धान बेच रहे हैं। विभाग द्वारा गांव–गांव जाकर किसानों का रजिस्ट्रेशन भी किया जा रहा है। पाली, डोहरिया, अखुआपार, बड़गो, बाहिलपार, डुगडुईया सहित अन्य गांवों के किसान इस प्रक्रिया से लाभ उठा रहे हैं। आज 135 कुंटल प्रथम और 159 कुंटल द्वितीय किस्म का धान खरीदा जा चुका है। इस मौके पर किसान जैसे जय प्रकाश पांडेय, श्यामजीत, राजू, बृजेन्द, राममूरत चौरसिया, सुनील कुमार पांडेय, विश्वम्भर नाथ पांडेय, ओम प्रकाश पांडेय, कृष्ण मुरारी पांडेय, शशिप्रभा पांडेय आदि ने धान बेचकर लाभ उठाया है।

मकर संक्रांति तैयारी बैठक हुई आयोजित

गोरखपुर। । मंडलायुक्त सभागार में मंडलायुक्त अनिल ढींगरा की अध्यक्षता में मकर संक्रांति 2025 की तैयारी बैठक कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। बैठक में प्रमुख रूप से मंडलायुक्त अनिल ढींगरा डीआईजी गोरखपुर परिक्षेत्र गोरखपुर आनंद कुलकर्णी जिला अधिकारी कृष्ण करुणेश वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉक्टर गौरव ग्रोवर नगर आयुक्त गौरव सिंह सोगरवाल जीडीए उपाध्यक्ष आनंद वर्धन सीडीओ संजय कुमार मीना डीएफओ विकास यादव एसपी सिटी अभिनव त्यागी एडीएम सिटी अंजनी कुमार सिंह सिटी मजिस्ट्रेट हिमांशु वर्मा जिला पर्यटन अधिकारी रविंद्र मिश्रा सहित संबंधित विभागों के संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

सम्पादकीय...

दुर्दशा का तथ्य नकारना व्यर्थ

देहाती इलाकों में कर्ज के बोझ तले दबे परिवारों की संख्या में साढ़े चार प्रतिशत इजाफा हुआ है। 2016–17 के सर्वे के दौरान ऐसे परिवारों की संख्या 47.40 प्रतिशत थी, जो ताजा सर्वे के समय 52 फीसदी हो चुकी थी।एक और सरकारी संस्था की रिपोर्ट ने श्रमिक वर्ग की बढ़ती रही दुर्दशा पर रोशनी डाली है। राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण बैंक (नाबार्ड) के अखिल भारतीय ग्रामीण वित्तीय समावेशन सर्वे (एनएएफआईएस) 2021–22 के दौरान पाया गया देहाती इलाकों में कर्ज के बोझ तले दबे परिवारों की संख्या में साढ़े चार प्रतिशत इजाफा हुआ है।2016–17 के सर्वे के दौरान ऐसे परिवारों की संख्या 47.40 प्रतिशत थी, जो ताजा सर्वे के समय 52 फीसदी हो चुकी थी। कहा जा सकता है कि अब ज्यादा लोग लाइफ स्टाइल बढ़ाने के लिए कर्ज ले रहे हैं। मगर आय की स्थिति पर गौर करें, तो ऐसे तर्क निराधार मालूम पड़ेंगे।ताजा सर्वे में ग्रामीण परिवारों की औसत मासिक आय 12,698 रु. सामने आई। इसमें पांच साल में डेढ़ गुना से ज्यादा बढ़ोतरी हुई। तब औसत आमदनी 8,059 रु. थी।राष्ट्रीय परिवार 4.4 व्यक्तियों का है। तो हर व्यक्ति पर आय 2,886 रु. बैठती है। यानी प्रति दिन एक व्यक्ति की खर्च क्षमता 96 रुपये होगी।यह औसत आय है, जिसमें ग्रामीण इलाकों के सबसे धनी और गरीब दोनों तबकों की आमदनी शामिल है। 2013–14 में रंगराजन समिति ने भारत की गरीबी रेखा 32 रु. प्रति दिन खर्च क्षमता रखने का सुझाव दिया था। दस साल की मुद्रास्फीति से उसे एडजस्ट करें, तो ये रकम आज तकरीबन 60 रुपये बैठेगी। इस पैमाने पर पर अनुमान लगाएं, तो संभव है कि भारत में आधे से ज्यादा लोग गरीबी रेखा के नीचे आएंगे। वैसे, जिन परिवारों की औसत आय 12 हजार रुपये हो, वे लाइफ स्टाइल संबंधी चीजों की खरीद के लिए कर्ज लें, यह मानने का कोई तुक वैसे भी नहीं है। तो जाहिर है, शिक्षा, स्वास्थ्य और शादी–विवाह आदि जैसे खर्चों के लिए कर्ज लेने वाले परिवार बढ़े हैं। इसके पहले लेबर ब्यूरो की पारिश्रमिक दर सूचकांक रिपोर्ट, कृषि मंत्रालय के जारी हुए आंकड़ों, तथा पीरियोडिक लेबर फोर्स सर्वे रिपोर्ट आदि में बताया जा चुका है कि श्रमिक वर्ग की वास्तविक आय गिरी है और औसत आय में वृद्धि गतिरुद्ध हो गई है।उपभोग और मांग गिरने की बातें सामने आ चुकी हैं। ऐसे में दुर्दशा का तथ्य नकारना व्यर्थ है।

अमरीका में शरण मांगने वालों में 855 फीसदी की वृद्धी

एक समय था जब ब्रिगेडियर उस्मान को बंटवारे के समय पाकिस्तान का सेनाध्यक्ष बनाने का प्रस्ताव दिया गया था लेकिन उन्होंने यह कहकर इनकार कर दिया था कि भारत मेरा देश है इस धरती में मेरे बुजुर्ग दफन हैं।उन्होंने पाकिस्तान का सेनाध्यक्ष बनने की बजाय भारत का ब्रिगेडियर बना रहना स्वीकार किया और अपना नौसेरा बचाने के लिये शहीद हो गये।वह तघे अनिश्चितता का समय था,जान–माल का खतरा था किंतु आज तो निश्चंतता का समय है। संवैधानिक और नियामक संस्थायें देश को आजादी के प्रति सजग कर रहीं हैं ऐसे दौर में कुछ खबरें हैरान भी करतीं हैं और चिंतित भी।संसद में एक प्रश्न के उत्तर में बताया गया है कि पिछले 10 सालों में लगभग 15 लाख भारतीय नागरिकों ने देश की नागरिकता त्याग दी है ।इससे भी जो ज्यादा चिंताजनक आंकड़ा है वह यह कि अमेरिका में शरण मांगने वाले भारतीयों की संख्या में 855 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। विदित हो कि अमेरिका में शरण मांगने वाले दो तरह से शरण के लिए आवेदन करते हैं एक तो वह जिन्हें एफर्मेटिव कहा जाता है और दूसरा वे जिन्हें डिफेंसिव कहा जाता है यानि सुरक्षा की दृष्टि से वे अमेरिका में शरण की गुहार लगाते हैं अमेरिका की होमलैंड सिक्योरिटी डिपार्टमेंट की इमीग्रेंट एनुअल फ्लो रिपोर्ट बताती है कि 2023 में अमेरिका में शरण चाहने वाले आवेदकों में 41हजार 330 भारतीय शामिल थे जो कि 2022 की तुलना में 855 फीसदी ज्यादा है और भी आश्चर्यजनक बात यह है कि इसमें से आधे आवेदक गुजरात राज्य के हैं।जहां 2014 के बाद समृद्धि का विस्फोट हुआ है। समझना जरूरी है कि उन भारतीयों ने क्योंकर सुरक्षा एसाईलम के लिये आवेदन किया है? वर्ष 2022 में शरणार्थी के रूप में आवेदन करने वाले 14 हजार 570 भारतीयों में से 9200 ने डिफेंसिव एसाईलम यानि सुरक्षा शरण का आवेदन किया है। भारत की अर्थव्यवस्था के उछालें भरने के दावे

भारत में रोजगार के संदर्भ में बदलना होगा अपना नजरिया

आज भारत में केवल मुंबई, दिल्ली, कोलकाता, चेन्नई, बैंगलोर, हैदराबाद, पुणे जैसे महानगर ही देश के विकास में भागीदारी नहीं कर रहे हैं बल्कि ग्रामीण इलाकों में भी पर्याप्त विकास हो रहा है। इससे रोजगार के अवसर भी इन इलाकों में निर्मित हो रहे हैं। भारतीय प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार समिति की सदस्य सुश्री शमिका रवि द्वारा हाल ही में सम्पन्न किए गए एक रिसर्च पेपर में, आंकड़ों के साथ, कई महत्वपूर्ण जानकारियां दी गई हैं। इस रिसर्च पेपर में भारत के आर्थिक विकास के कई क्षेत्रों के सम्बंध में तथ्यों पर आधारित सारगर्भित बातें बताने के साथ साथ यह भी जानकारी दी गई है कि किस प्रकार भारत में अब ग्रामीण इलाके भी देश की अर्थव्यवस्था में अपना योगदान बढ़ा रहे हैं तथा कई राज्यों की आर्थिक स्थिति में सुधार होता हुआ दिखाई दे रहा है। साथ ही, यह भी बताया गया है कि किस प्रकार भारत में तेज गति से हो रहे आर्थिक विकास का लाभ देश के युवाओं को रोजगार के अधिक अवसरों के रूप में मिल रहा है।आज भारत में केवल मुंबई, दिल्ली, कोलकाता, चेन्नई, बैंगलोर, हैदराबाद, पुणे जैसे महानगर ही देश के विकास में भागीदारी नहीं कर रहे हैं बल्कि ग्रामीण इलाकों में भी पर्याप्त विकास हो रहा है। इससे रोजगार के अवसर भी इन इलाकों में निर्मित हो रहे हैं। सबसे अधिक विकास आज अविकसित क्षेत्रों में हो रहा है। आज गुजरात, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक, आदि के साथ साथ उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, एवं नोर्थ ईस्ट के इलाके भी तेजी से विकास कर रहे हैं। विकास के कई नए क्षेत्रों का निर्माण हुआ है। पिछड़े हुए इन राज्यों में गति पकड़ रहा विकास, भारत के सकल घरेलू उत्पाद में और भी अधिक वृद्धि दर्ज करने में सहायक सिद्ध होगा। ग्रामीण इलाकों में मूलभूत सुविधाओं का अतुलनीय विस्तार हुआ है, जिसके चलते अब सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में कार्य करने वाली कम्पनियां भी अपने संस्थानों को ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित हो रही हैं। विशेष रूप से दक्षिणी प्रदेशों में कुछ कम्पनियों ने इस सम्बंध में अच्छी पहल की है। प्राचीन भारत में ग्रामीण क्षेत्र ही आर्थिक विकास के मजबूत केंद्र रहे हैं। इससे इन क्षेत्रों में निवासरत नागरिकों को रोजगार के अवसर भी इनके आसपास के इलाकों में मिल जाते हैं और इन्हें शहरी क्षेत्रों की ओर पलायन करने की आवश्यकता ही नहीं होती है। दूसरे, सामान्यतः देश के विभिन्न राज्यों की वित्तीय स्थिति में भी मजबूती आई है। कुछ राज्यों के बजटीय घाटे में अतुलनीय सुधार दृष्टिगोचर हुआ है। परंतु, साथ ही कुछ राज्यों जैसे, पंजाब, केरल, पश्चिम बंगाल, हिमाचल प्रदेश, आदि प्रदेशों में आज बजटीय घाटे की स्थिति दयनीय हो रही है जिसे शीघ्र ही सम्हालने की आवश्यकता है क्योंकि एक तो इन राज्यों में विकास दर कम होती जा रही है दूसरे इन राज्यों द्वारा मुफ्त योजनाओं को धड़ल्ले से चलाया जा रहा है, बगैर यह ध्यान दिए कि इन बढ़े हुए खर्चों के लिए क्या उनके बजट में कुछ गुंजाइश भी है। इस प्रकार के बढ़े हुए खर्चे इन राज्यों के बजट पर अंततः दबाव बढ़ाते हैं। आज देश में कुछ राज्यों में ब्याज के भुगतान, प्रशासन सम्बंधी खर्चों एवं सेवानिवृत्त कर्मचारियों को पेंशन का भुगतान करने में ही पूरे बजट की राशि समाप्त हो जाती है। प्रदेश में विकास कार्य करने के लिए कुछ भी राशि बचती ही नहीं है बल्कि कुछ राज्यों को तो इन मदों पर भुगतान करने हेतु भी ऋण लेना होता है जो बजट पर और अधिक दबाव को बढ़ाता है। पूंजीगत खर्चे इन राज्यों में कम ही हो पा रहे हैं जिससे इन राज्यों में प्रति व्यक्ति आय भी कम है और ये राज्य विकास की दर को हासिल नहीं कर पा रहे हैं। दिल्ली में पिछले 10 वर्ष पूर्व तक पूंजीगत मदों पर बजट का एक बहुत बड़ा भाग खर्च होता था परंतु पिछले 10 वर्षों में पूंजीगत व्यय में भारी कमी दृष्टिगोचर हुई है। पंजाब की स्थिति भी बहुत खराब हो गई है केवल 20 वर्ष पूर्व तक पंजाब देश में सबसे अमीर राज्यों की श्रेणी में शामिल था परंतु आज इसके आसपास के राज्य, हिमाचल प्रदेश एवं हरियाणा, भी पंजाब से आगे निकल गए हैं। इन राज्यों में उद्योगों को स्थापित करने की आज सबसे अधिक आवश्यकता है। पंजाब से उद्योग निकलकर हिमाचल प्रदेश एवं हरियाणा में चला गया है। मध्यप्रदेश एवं बिहार कृषि के क्षेत्र में बहुत भारी वृद्धि दर्ज कर रहे हैं परंतु उद्योग के कम मात्रा में होने के चलते इन राज्यों में प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि दर तुलनात्मक रूप से कम है। किसी भी देश के लिए श्रम की भागीदारी एवं बेरोजगारी दो अलग अलग मुद्दे हैं। श्रम की भागीदारी में 18 वर्ष से 59 वर्ष के बीच के वे लोग शामिल रहते हैं जो अर्थ के अर्जन हेतु या तो कुछ कार्य कर रहे हैं अथवा कोई आर्थिक कार्य करने को उत्सुक हैं एवं इस हेतु रोजगार तलाश रहे हैं। पिछले 40 वर्षों के दौरान चीन में श्रम की औसत भागीदारी 75 प्रतिशत से ऊपर रही है। अर्थात प्रत्येक 4 में से 3 लोग या तो रोजगार में रहे हैं अथवा रोजगार तलाशते रहे हैं। वियतनाम में श्रम की भागीदारी 72 से 73 प्रतिशत की बीच रही है। बंगलादेश में यह 60 प्रतिशत से अधिक रही है। परंतु भारत में श्रम की भागीदारी 5 वर्ष पूर्व तक केवल 50 प्रतिशत के आसपास थी जो आज बढ़कर 57 प्रतिशत हो गई है। अर्थात इतने बड़े देश में कुल कार्य करने योग्य जनसंख्या में से आधे से कुछ कम आबादी या तो रोजगार में नहीं है अथवा रोजगार तलाश भी नहीं रही है। यह स्थिति भारत जैसे देश के लिए ठीक नहीं है। दूसरे, बेरोजगारी से आशय ऐसे नागरिकों से है जो रोजगार तलाश रहे हैं लेकिन उन्हें रोजगार मिल नहीं रहा है। भारत में ऐसे नागरिकों की संख्या मात्र 3 प्रतिशत ही है। समय के साथ बेरोजगारी की दर में थोड़ा बहुत परिवर्तन होता रहता है। परंतु, जब इस स्थिति को विभिन्न प्रदेशों के बीच तुलना करते हुए देखते हैं तो बेरोजगारी की दर में भारी अंतर दिखाई देता है। गुजरात, छत्तीसगढ़, कर्नाटक जैसे राज्यों में बेरोजगारी की दर यह 0.9 से 1.5 प्रतिशत के बीच है, जबकि केरल में 12.5 प्रतिशत है। आर्थिक विकास में वृद्धि के साथ साथ रोजगार के अवसर भी अधिक निर्मित होते हैं। इसलिए आज देश में रोजगार के नए अवसर निर्मित करने के लिए व्यवसाय को बढ़ाना होगा, विकास को बढ़ाना होगा। केवल केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारें समस्त नागरिकों को रोजगार उपलब्ध नहीं करा सकती है। इस हेतु, निजी क्षेत्र को आगे आना ही होगा। केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार के संस्थानों के रोजगार के अवसर निर्मित करने की कुछ सीमाएं हैं। आज भारत में 30 वर्ष के अंदर की उम्र के नागरिकों में बेरोजगारी की दर 12 प्रतिशत है, जबकि देश में कुल बेरोजगारी की दर 3.1 प्रतिशत है। अतः देश के युवाओं में बेरोजगारी की दर अधिक दिखाई देती है। देश के युवाओं में कौशल का अभाव है। इसलिए केंद्र सरकार विशेष कार्यक्रम लागू कर युवाओं में कौशल विकसित का प्रयास कर रही है। विशेष रूप से भारत में युवाओं के लिए कहा जा रहा है कि वे 30 वर्ष की उम्र तक काम करना ही नहीं चाहते हैं, क्योंकि इस उम्र तक वे रोजगार के अच्छे अवसर ही तलाशते रहते हैं। 30 वर्ष की उम्र के बाद वे दबाव में आने लगते हैं एवं फिर उन्हें जो भी रोजगार का अवसर प्राप्त होता है उसे वे स्वीकार कर लेते हैं। इसलिए 30 वर्ष से अधिक की उम्र के नागरिकों के बीच बेरोजगारी की दर बहुत कम है। यह स्थिति हाल ही के समय में विश्व के अन्य देशों में भी देखी जा रही है। युवाओं की अपनी नजर में सही रोजगार के अवसर के लिए वे इंतजार करते रहते हैं, अथवा वे अपनी पढ़ाई जारी रखते हैं। आज विशेष रूप से भारत में रोजगार के अवसरों की कमी नहीं है। युवाओं में कौशल एवं मानसिकता का अभाव एवं केवल सरकारी नौकरी को ही रोजगार के अवसर के लिए चुनना ही भारत में श्रम की भागीदारी में कमी के लिए जिम्मेदार तत्व हैं। अधिक डिग्रीयां प्राप्त करने वाले युवा रोजगार के अच्छे अवसर तलाश करने में ही लम्बा समय व्यतीत कर देते हैं। कम डिग्री प्राप्त एवं कम पढ़े लिखे नागरिक छोटी उम्र से ही रोजगार प्राप्त कर लेते हैं। यह भी कटु सत्य है कि डिग्री प्राप्त करने एवं वास्तविक धरातल पर कौशल विकसित करने में बहुत अंतर है। आज भी भारत में कई कम्पनियों की शिकायत है कि देश में इंजीनीयर्स तो बहुत मिलते हैं परंतु उच्च कौशल प्राप्त इंजीनीयर्स की भारी कमी हैं। तमिलनाडु में किए गए एक अध्ययन में यह तथ्य उभर का सामने आया है कि किसी भी देश के नागरिक जब अधिक उम्र में रोजगार प्राप्त करते हैं तो उनकी कुल उम्र भर की कुल वास्तविक औसत आय बहुत कम हो जाती है। इसके विपरीत जो नागरिक अपनी उम्र के शुरूआती पड़ाव में ही रोजगार प्राप्त कर लेते हैं उनकी कुल उम्र भर की वास्तविक औसत आय तुलनात्मक रूप से बहुत बढ़ जाती है। भारत में स्टार्ट अपस को बढ़ावा दिया जाना चाहिए एवं युवाओं को सरकारी नौकरी की चाहत को छोड़कर निजी क्षेत्र में रोजगार प्राप्त करने के प्रयास करने चाहिए। साथ ही आज युवाओं को अपने स्वयं के व्यवसाय प्रारम्भ करने के प्रयास भी करने चाहिए।

पाकिस्तान की हिमाकत पर कोई हैरानी नहीं

बलबीर पुंज समिति की रिपोर्ट में कहा गया है कि भगत सिंह मुसलमानों के प्रति शत्रुतापूर्ण मजहबी नेताओं से प्रभावित थे और भगत सिंह फाउंडेशन इस्लामी विचारधारा और पाकिस्तानी संस्कृति के खिलाफ काम कर रहा है, (और) इस पर प्रतिबंध लगना चाहिए।ष बकौल रिपोर्ट, ष्फाउंडेशन के अधिकारी जो खुद को मुस्लिम कहते हैं, क्या वह नहीं जानते कि पाकिस्तान में किसी नास्तिक के नाम पर किसी जगह का नाम रखना अस्वीकार्य है और इस्लाम में मानव मूर्तियां प्रतिबंधित है? जो समूह भारत–पाकिस्तान संबंध और शसिख–मुस्लिम सद्भावनाच्च की संभावनाओं पर बल देते है, वह हालिया घटनाक्रम पर क्या कहेंगे? बीते दिनों पाकि स्तानी पंजाब की सरकार ने यह कहते हुए शादमान चौक का नाम शहीद भगत सिंह समर्पित करने की वर्षों पुरानी मांग को ठंडे बस्ते में डाल दिया कि भगत सिंह क्रांतिकारी नहीं, बल्कि श्अपराधीच्च और आज की परिभाषा में श्आतंकवादीच्च थे। जैसे ही यह खबर भारत पहुंची, तुरंत विभिन्न राजनीतिक दलों ने पाकिस्तान को गरियाना शुरू कर दिया। परंतु मुझे पाकिस्तान की इस हिमाकत पर कोई हैरानी नहीं हुई। क्या इस इस्लामी देश से किसी अन्य व्यवहार की उम्मीद की जा सकती है?लाहौर में जिस स्थान पर 23 मार्च 1931 को महान स्वतंत्रता सेनानियोंकृ भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को फांसी दी गई थी, वह जगह शादमान चौक नाम से प्रसिद्ध है। इसी मामले में 8 नवंबर को लाहौर उच्च न्यायालय में सुनवाई थी। तब श्भगत सिंह मेमोरियल फाउंडेशन पाकिस्तान द्वारा अदालत में दायर एक याचिका पर लाहौर प्रशासन ने जवाब देते हुए कहा, ष्शादमान चौक का नाम भगत सिंह के नाम पर रखने और वहां उनकी प्रतिमा लगाने की प्रस्तावित योजना को पूर्व नौसेना अधिकारी तारिक मजीद की टिप्पणी के आलोक में रद्द कर दिया गया है।ष मजीद मामले में गठित समिति का हिस्सा है और उन्होंने कहा था कि भगत सिंह ने एक ब्रिटिश पुलिस अधिकारी की हत्या की थी, इसलिए उन्हें दो साथियों के साथ फांसी दे दी गई थी। इसी समिति की रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि भगत सिंह ष्मुसलमानों के प्रति शत्रुतापूर्ण मजहबी नेताओं से प्रभावित थे और भगत सिंह फाउंडेशन इस्लामी विचारधारा और पाकिस्तानी संस्कृति के खिलाफ काम कर रहा है, (और) इस पर प्रतिबंध लगना चाहिए।ष बकौल रिपोर्ट, ष्फाउंडेशन के अधिकारी जो खुद को मुस्लिम कहते हैं, क्या वह नहीं जानते कि पाकिस्तान में किसी नास्तिक के नाम पर किसी जगह का नाम रखना अस्वीकार्य है और इस्लाम में मानव मूर्तियां प्रतिबंधित है? मामले में अगली सुनवाई 17 जनवरी 2025 को होगी। पाकिस्तान में भगत सिंह का रिश्ता केवल लाहौर जेल तक सीमित नहीं है। जिस अविभाजित पंजाब के लायलपुर में उनका जन्म हुआ था, वह भी अब पाकिस्तान में है। लाहौर के ही नेशनल कॉलेज में भगत सिंह के अंदर क्रांति के बीज फूटे थे और श्नौजवान भारत सभाच्च का गठन भी लाहौर में किया था।

फिल्मी दुनिया/सेहत

प्यार और नफरत की कहानी ठुकरा के मेरा प्यार, वेब सीरीज का ट्रेलर हुआ रिलीज

अब तक कई वेब सीरीज आई हैं, जिनमें अलग–अलग किस्म की प्रेम कहानी दिखाई गईं। जल्द ही एक और प्रेम कहानी जिसमें नफरत भी शामिल है, दर्शकों को देखने को मिलेगी। इस वेब सीरीज का प्रीमियर 22 नवंबर 2024 को डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर होगा।

ट्रेलर की शुरुआत में छोटे शहर की एक प्रेम कहानी की झलक मिलती है। जिसमें लड़की ही लड़के को पसंद करती है, इ नजर आती है और उससे अपने प्यार का इजहार करती है। लड़का सामान्य घर से है, तो वह लड़की के प्रेम प्रस्ताव को

स्वीकार नहीं करता। लड़की उसका पीछा नहीं छोड़ती और बार–बार प्रेम स्वीकार करने को कहती है। अचानक इस प्रेम कहानी की खबर लड़की के घरवालों को लगती है, जो कि शहर के बड़े और ताकतवर लोग हैं। लड़के को लड़की के परिवार वालों के सामने खड़ा किया जाता है,

लहंगा पहन ग्लैमरस लुक में नजर आईं सोफी चौधरी, एक्ट्रेस ने सिजलिंग अदाओं से ढाया कहर

बॉलीवुड एक्ट्रेस और सिंगर सोफी चौधरी अपने बोल्ड और ग्लैमरस लुक्स के कारण सोशल मीडिया पर लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। उन्होंने ना अपनी एक्टिंग से बल्कि सिंगिंग से भी लोगों के दिल पर राज किया है। अब हाल ही में एक्ट्रेस सोफी चौधरी ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका हॉटनेस भरा अंदाज देखकर फैंस के होश उड़ गए हैं।एक्ट्रेस और सिंगर सोफी चौधरी हमेशा अपने फैशन स्टेटमेंट्स से फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींचती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तबाही मचाने लगता है।हाल ही में एक्ट्रेस सोफी चौधरी ने अपने लेटेस्ट लुक्स की तस्वीरें फैंस के बीच शेयर की हैं। इन फोटोज में उनकी बोल्डनेस और हॉटनेस देखकर फैंस अपने होश खो बैठे हैं।सोफी चौधरी के लेटेस्ट फोटोशूट में आप देख सकते हैं उन्होंने ब्लू कलर का सिंपल लहंगा पहना हुआ है, जिसमें उन्होंने ब्लू कलर का गोटेदार दुपट्टा कैरी किया है।गले में नेकलेस, कानों में इयररिंग्स और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस सोफी चौधरी ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। बता दें कि एक्ट्रेस सोफी चौधरी अपने हर एक से सोशल मीडिया पर बवाल मचाती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है।सोफी

सर्दियों में टूटने लगे हैं बाल तो इस चीज से करें मालिश, नहीं होगा नुकसान

सर्दियों का मौसम आते ही बालों की समस्याएं बढ़ने लगती हैं. बाल टूटने, रूखे और बेजान होने लगते हैं. ऐसे में बालों की देखभाल करना बहुत जरूरी है. अगर आप भी ठंड के दिनों में आप भी हेयरफॉल और अन्य रूखे–बेजान होने से बचते हैं. आइए जानते हैं इसके फायदे...सर्दियों में क्यों टूटने लगते हैं बालड्राई एयरकम तापमान

बालों की खराब देखभाल

पोषण की कमी

हार्मोनल बदलाव

बालों को मजबूती मिलती है.बाल रूखे और बेजान नहीं होते हैंबाल टूटते नहीं है.फ्रिजी बालों की समस्या दूर होती है.बालों में शाइनिंग आती है. बाल मुलायम, चमकदार और खूबसूरत बनते हैं.नारियल तेल को बालों में कैसे लगाएं1. सबसे पहले नारियल

प्रॉब्लम्स से परेशान हैं तो नारियल के तेल का इस्तेमाल कर सकते हैं. इस तेल में एंटीबैक्टीरियल, एंटीइंफ्लेमेटरी, एंटी फंगल और एंटी माइक्रोबियल गुण होते हैं. इसमें एंटीऑक्सीडेंट्स, विटामिन्स और मिनरल्स भी कूट–कूटकर भरे होते हैं. जिससे मालिश करने से बाल मजबूत, चमकदार और

नारियल तेल से मालिश के फायदे

बालों को पर्याप्त पोषण मिलता है.

नारियल तेल में लॉरिक एसिड होता है, जिससे बालों को प्रोटीन मिलता है.

नारियल का तेल बालों के लिए कंडीशनर का भी काम करता है.

के तेल को गर्म कर लें.

2. अब तेल को स्कैल्प और बालों में अच्छी तरह लगाएं और अच्छे से मसाज करें.

3. कोकोनट ऑयल को करीब 30 मिनट तक बालों में लगाए रखें.4. अब अच्छी क्वॉलिटी के शैंपू से बालों को धोएं.

5. बालों को अच्छी तरह सुखाएं.

गुरू गोविन्द सिंह राष्ट्रीय एकता पुरस्कार हेतु आवेदन प्रारंभ

गोरखपुर। उप निदेशक बौद्ध संग्रहालय ने बताया है कि शासन के निर्देशानुसार वर्ष 2024–25 हेतु ''गुरू गोविन्द सिंह राष्ट्रीय एकता पुरस्कार'' हेतु प्रस्तावध्आवेदन उपलब्ध कराये जाने हेतु निर्देश प्राप्त हुए है। उन्होंने बताया है कि गुरू गोविन्द सिंह राष्ट्रीय एकता पुरस्कार दिये हेतु कुछ अर्हताएं यथा वह भारत का नागरिक हो, उ0प्र0 राज्य सीमा के भीतर पुरस्कार पर विचार किये जाने के वर्ष सामान्यताया निवास करता रहा हो, मानवाधिकार, सामाजिक न्याय व राष्ट्रीय एकीकरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान रहा हो, गुरू गोविन्द सिंह राष्ट्रीय एकता पुरस्कार योजना के अधीन पूर्व में इस राज्य सरकार द्वारा पुरस्कार न दिया जा चुका हो मान्य है।

उन्होंने यह भी बताया है कि प्रदेश में निवासरत व्यक्तियों में से कोई व्यक्ति जिसने मानवाधिकारों की रक्षा सामाजिक न्याय एवं राष्ट्रीय एकीकरण के क्षेत्र में सर्वोत्कृष्ट कार्य किया हो तथा इस हेतु पूर्णतः समर्पित रहे हो, को सार्वजनिक रूप से सम्मानित करने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार द्वारा गुरू ''गोविन्द सिंह राष्ट्रीय एकता पुरस्कार'' प्रदान किये जाने व रूपये एक लाख का नगद पुरस्कार तथा प्रशस्ति पत्र दिये जाने की व्यवस्था की गयी है। उन्होंने कहा है कि जनपद से इस पुरस्कार के मापदण्डो को पूरा करने वाले पात्र महानुभाव 30 नवम्बर 2024 तक आवेदन एवं प्रस्ताव उपलब्ध करा सकते हैं।

एक दिवसीय रोजगार मेला आज

गोरखपुर। सहायक निदेशक सेवायोजन रास बिहारी चतुर्वेदी ने बताया है कि दिनांक 21 नवम्बर 2024 दिन गुरुवार को राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान चरगांवा में एक दिवसीय रोजगार मेला प्रातः 10 बजे से आयोजित किया गया है। जिसमें श्री गणेशा कंसल्टेंट, इवान सिक्यूरिटी, चौतन्या फाइनेंस, काशी एग्रो, सोनाटा फाइनेंस एवं बी0आई0एस0 सिक्यूरिटी इत्यादि कम्पनी के लिए अभ्यर्थीयों की चयन (475 रिक्त पदों पर) किया जाना है। इस रोजगार मेलें में अभ्यर्थियों की आयुसीमा 18–45 वर्ष एवं शैक्षिक योग्यता इंटरध् आई0टी0आई0 (टेक्निकल, नॉन टेक्निकल) के पुरूषध्महिला अभ्यर्थी अर्ह होगें। सेवायोजन विभाग के तरफ से रोजगार मेले की पूरी प्रक्रिया निःशुल्क है।उक्त मेले में इच्छुक अभ्यर्थी सेवायोजन विभाग के वेबपोर्टल ीजजचेरूध्ध् तवरहंतेंदहंउ.नच.हवअ.पद पर पंजीकरण करते हुए प्रतिभागी कम्पनी में समस्त शैक्षिक योग्यता एवं बायोडाटा सहित रोजगार मेले में प्रतिभाग कर सकते है। उपरोक्त मेला में शामिल होने हेतु अभ्यर्थियो को किसी प्रकार का यात्रा भत्ता देय नही है।

अकुवापार में ग्राम पँचायत सदस्य शिशिर मिश्र प्रधान पद के लिए नामित

सहजनवा गोरखपुर । । सहजनवा तहसील के पाली ब्लाक के अकुवापार ग्राम पंचायत के प्रधान गणेश चौधरी के निधन के बाद प्रधान का पद रिक्त चल रहा है। जिला पंचायत राज अधिकारी के निर्देश पर बुधवार

को अग्रिम आदेश तक सहायक विकास अधिकारी और ग्राम सचिव की मौजूदगी में ग्राम पंचायत अकुवापार में प्रधान पद के कर्तव्यों का पालन एवम शक्तियों का प्रयोग करने के लिए ग्राम पंचायत सदस्य शिशिर कुमार मिश्र पुत्र कोदई मिश्रा को प्रधान पद के लिए नामित किया गया वही दो और पंचायत सदस्य रीमा पत्नी अनिल और संदीप पुत्र बृजलाल भी प्रधान के लिए नामित शिशिर के साथ सहयोग करना सुनिश्चित करेंगे। इस अवसर पर कोदई सिंह, शैलेंद्र गुप्ता, सुधीर चौधरी, विक्रम चौधरी, अनिल सिंह, नंदबिहारी सिंह, व अन्य ग्रामवासी मौजूद रहें।

खुली बैठक में कोटे की दुकान का किया गया चयन

सहजनवा गोरखपुर । ।सहजनवा ब्लाक के ग्राम पंचायत गंगटही और मदरिया में रिक्त चल रहे कोटे की दुकान का चयन बुधवार को खुली बैठक में कर लिया गया। खुली बैठक में चार स्वयं सहायता समूहों ने भागीदारी लिया। जिसमे सभी ग्रामीणों से अपने अपने प्रत्याशियों के पक्ष में हाथ उठाया गया। जिसमें कान्हा स्वयं सहायता समूह के पक्ष में 120 वोट पड़ा। जिन्हें सर्वसम्मति से कोटेदार चयनित कर लिया गया। बताते चले कि गंगटही का कोटा धांधली के चलते निरस्त कर दिया गया था। और मदरिया के कोटेदार ने स्वास्थ्य खराब होने के कारण इस्तीफा दे दिया था। तभी से दोनों जगह के कोटे की दुकान रिक्त चल रही थी।इस दौरान एडीओ पंचायत रामधारी प्रसाद, ग्राम सचिव शिल्पी यादव स्वयं सहायता से मनीष पांडे प्रधान प्रतिनिधि ा विजय पांडेय सहित अनेक ग्रामीण मौजूद थे।

भारतवंशी प्रदीप तिवारी ने आस्ट्रेलिया के मेलबर्न शहर में वरिष्ठ मेयर काउंसलर के चुनाव में विजयी

भारत के लाल देवरिया जनपद के बरहज तहसील के गौरा गांव निवासी प्रदीप तिवारी ने मेलबर्न शहर ऑस्ट्रेलिया के काउंसलर चुनाव में भारी मतों से विजय श्री हासिल की। प्रदीप तिवारी की ऐतिहासिक विजय यह प्रमाणित कर रही है कि वैश्विक स्तर पर भारत के युवा अपने पूर्वजों का गौरव संपूर्ण विश्व में प्रतिस्थापित कर रहे हैं, विश्व के सर्वाधिक शिक्षित एवं मानक कानून व्यवस्था के प्रमाणिक शैक्षिक शहरों में से एक मेलबर्न के मेयर काउंसलर के चुनाव में प्रदीप तिवारी की विजय ऐतिहासिक है। गोरखपुर मंडल के विभिन्न जनपदों में प्रदीप तिवारी के परिवार जनों एवं मित्रों ने मिष्ठान वितरित करके अपनी खुशी एवं प्रदीप तिवारी को बधाइयां प्रेषित की। इस अवसर पर जनपद गोरखपुर में विभिन्न राजनीतिक दलों सामाजिक संगठनों शिक्षक संगठनों कर्मचारी संगठनों ने भी अपनी खुशी का इजहार मिष्ठान वितरण के साथ किया इस अवसर पर अभय नंदन इंटर कॉलेज के वरिष्ठ प्रबंधन समिति सदस्य अमितेंद्र जैन एवं समस्त प्रबंध समिति प्राचार्य हरि नारायण, शिक्षक गण देवेंद्र भट्ट, डॉक्टर सिद्धार्थ ओझा, मनीष उपाध्याय, धनंजय सिंह,वरिष्ठ शिक्षक नेता दीप्तिमान धनंजय सिंह, प्रदेश भाजपा कार्य समिति सदस्य शशि तेज सिंह,सुशील सिंह, गौरव पाठक, शिवेंद्र प्रताप सिंह ,प्रबंध समिति के कायस्थ विकास परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष वैद्य राजीव सिंह ,राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. राजीव वर्मा, राष्ट्रीय सचिव प्रवक्ता समाजवादी पार्टी अतुल सक्सेना,डॉ.सत्येंद्र सिंहा,क्षेत्रीय उपाध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी एवं आदरणीय विधायक डॉ. शलभ मणि त्रिपाठी ,सुधाकर, वीणा ओझा,महाविद्यालय परिवार माध्यमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष आशुतोष दुबे, मंत्री देवनाथ राय, ज्ञानेश, रामेंद्र प्रताप चंद्र ,पंडित धार्मेंद्र शर्मा, देवनाथ राय, डॉक्टर दिग्विजय नाथ पांडे, आलोक प्रताप सिंह, डॉ.अरविंद चौरसिया ,मनकेश्वर नारायण द्विवेदी ,सतीश गुप्ता, डॉक्टर प्रमोद कुमार सिंह, विनय पांडे ,चंद्र प्रकाश, अमरेंद्र सिंहा एवं विभिन्न राजनीतिक संगठनों ने अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। पूर्वांचल राज्य के ब्यूरो चीफ सुनील मणि त्रिपाठी ने बताया की छात्र जीवन से ही प्रदीप तिवारी ओजस्वी थे।वैश्विक पटेल पर प्रदीप तिवारी भारत का नाम रोशन करते रहें, यह मेरी शुभकामनाएं है।

गोरखपुर के दक्षिणांचल में 5500 एकड़ क्षेत्रफल में आकार लेगा धुरियापार इंडस्ट्रियल कारिडोर

इंडस्ट्रियल कारिडोर को मूर्त रूप देने के लिए जारी है भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया

उरुवा गोरखपुर । गोरखपुर के दक्षिणांचल में स्थित तहसील गोला क्षेत्र की जो जमीन ऊसर थी। जिसपर धुरियापार सहकारी चीनी मिल स्थापित हुआ था। जिसपर तिनका भी मुश्किल से उगता था, वहां योगी सरकार उद्योगों की फसल लगवाएगी। इसके लिए 5500 एकड़ में प्रस्तावित धुरियापार इंडस्ट्रियल कॉरिडोर को मूर्त रूप दिया जा रहा है। 17 गांवों की अनुपजाऊ जमीनों का अधिग्रहण करने के सिलसिले में अब तक 500 एकड़ जमीन अधिग्रहित की जा चुकी है। यह कॉरिडोर पूर्वांचल के सबसे बड़े इंडस्ट्रियल लैंड बैंक वाला होगा। सरकार की मंशा यहां बड़े उद्यगों का संजाल बिछाने के साथ इसे इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग कलस्टर के रूप में विकसित कर करने की है। यह इंडस्ट्रियल कॉरिडोर गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे से तो जुड़ा ही है, आने वाले समय में रेल कनेक्टिविटी से भी जुड़ जाएगा। गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण (गीडा) ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप धुरियापार इंडस्ट्रियल कॉरिडोर को आकार देने के लिए प्रक्रियात्मक कार्य को तेज कर दिया है। गीडा की तैयारी जल्द ही इस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के पहले चरण को लांच कर देने की है। पहले चरण में सकरदेईया, हरपुर और काश्तकाशी नायक गांवों में करीब 1600 एकड़ भूमि अर्जित होनी है। गीडा इसमें से 500 एकड़ भूमि का अधिग्रहण भी कर चुका है। उपजाऊ जमीन फसलों के माध्यम से सोना उगले और ऊसर धरती पर उद्योगों के जरिये रोजगार की भरपूर छांव मिले, योगी सरकार इसी फॉर्मूले के तहत ग्रेटर गीडा के रूप में धुरियापार इंडस्ट्रियल कॉरिडोर का खाका खींच चुकी है। इस कॉरिडोर को बसाने के लिए जिन 17 गांवों में जमीनों का अधिग्रहण किया जा रहा, वे परती पड़ी रहती हैं। यानी किसानों के लिए अनुपजाऊ। अब तक सिर्फ रकबे में गिनी जाने वाली ये जमीनें किसानों को भरपूर रकम दिलाकर मालामाल करेंगी। बीते सात सालों में देश–दुनिया के कई निवेशकों का गोरखपुर की तरफ रुझान देखते हुए सीएम योगी के मार्गदर्शन में धुरियापार इंडस्ट्रियल कॉरिडोर का मास्टर प्लान फाइनल है, बस इसे शासन से अनुमोदन मिलने का इंतजार है। धुरियापार क्षेत्र में जमीनों का एक हिस्सा ऊसर प्रकृति का है। किसानों को ऊसर जमीनों का ही अधिग्रहण किया जा रहा है। इससे उन्हें अनुपजाऊ भूमि का भरपूर मूल्य प्राप्त होगा और ऊसर धरती पर औद्योगिक विकास के माध्यम से रोजगार और खुशहाली की फसल लहलहाएगी।

धुरियापार इंडस्ट्रियल कॉरिडोर को 17 ग्रामों की 5500 एकड़ भूमि में बसाया जाएगा। इस कॉरिडोर का विकास चरणबद्ध तरीके से किया जाना है। मास्टर प्लान के मुताबिक कुल क्षेत्रफल में 32.04 प्रतिशत क्षेत्र औद्योगिक, 19.39 प्रतिशत आवासीय, 6.51 प्रतिशत पीएसपी, 4.21 प्रतिशत व्यावसायिक, 15.70 प्रतिशत हरित–खुला क्षेत्र, 2.32 प्रतिशत मिश्रित, 4.17 प्रतिशत ट्रांसपोर्ट सुविधाओं के लिए प्रस्तावित है। गीडा की मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अनुज मलिक बताती हैं कि धुरियापार इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के लिए भूमि अर्जन की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ाई जा रही है। अब तक 500 एकड़ भूमि का अधिग्रहण हो चुका है और बाकी के लिए भी प्राधिकरण लगातार काम कर रहा है। मुख्य कार्यपालक अधिकारी का मानना है कि मूर्त रूप में आने के बाद यह इंडस्ट्रियल कॉरिडोर धुरियापार समेत समूचे गोरखपुर दक्षिणांचल के लिए गेम चेंजर साबित होगी। धुरियापार की पहचान अति पिछड़े क्षेत्र के रूप में रही लेकिन आने वाले दिनों में इसकी ख्याति गोरखपुर के नए औद्योगिक क्षेत्र के गेटवे के रूप में होगी। बीते सात सालों में देश–दुनिया के कई निवेशकों का रुझान गोरखपुर की तरफ देखते हुए सरकार धुरियापार क्षेत्र को ग्रेटर गीडा बनाने की तैयारी कर रही है। औद्योगिक विकास के साथ ही यहां रोजगार की बहार भी बहेगी।

अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर किया हमला, कहा संविधान को खतरा है

लखनऊ,(आरएनएस) समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार का एजेंडा युवाओं को नौकरी देने का नहीं है, बल्कि वह साजिशों और षड्यंत्रों के जरिए आरक्षण छीनने की कोशिश कर रही है। लखनऊ के बीकेटी स्थित सैरपुर बाजार में आयोजित संविधान मेला एवं युवा महोत्सव कार्यक्रम में श्री यादव ने कहा कि भाजपा की नीतियां युवा, किसान और पीडीए विरोधी हैं। श्री यादव ने बताया कि सरकार ने नौकरियों को आउटसोर्स कर दिया है ताकि आरक्षण से बचा जा सके। उन्होंने कहा कि भाजपा पीडीए से उनका हक छीनने के प्रयास में है और उन्हें बराबरी पर आने नहीं देना चाहती। साथ ही, उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा सरकार संविधान विरोधी कार्य कर रही है और बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के बनाए संविधान पर संकट आ सकता है। श्री यादव ने यह भी कहा कि जब तक भाजपा की सरकार है, संविधान को खतरा बना रहेगा, क्योंकि भाजपा ष्मनविधानष से देश को चलाना चाहती है। उन्होंने संविधान की रक्षा करने की अपील की और कहा कि जब तक दिल्ली और लखनऊ से भाजपा की सरकार का सफाया नहीं होगा, तब तक संविधान की रक्षा नहीं हो सकती। अखिलेश यादव ने

आगे कहा कि भाजपा गरीबी, दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों के अधिकारों की रक्षा के बजाय उन्हें बांटने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि संविधान सभी को सम्मान और अधिकार दिलाने का काम करता है और यह लोकतंत्र की नींव है। पूर्व मुख्यमंत्री ने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने किसानों, नौजवानों और व्यापारियों से धोखा किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा के युवा विरोधी नीतियों के कारण युवाओं ने लोकसेवा आयोग के खिलाफ आंदोलन किया और सरकार को झुकने पर मजबूर कर दिया। श्री यादव ने कहा कि भाजपा समाज को बांटने और नफरत फैलाने का काम कर रही है।

चिकित्सा शिविर लगाने पर इंडियन रेडक्रास सोसायटी का हुआ सम्मान

गोरखपुर । स्पोर्ट्स कालेज में चल रही 68 वीं राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता के आज समापन अवसर पर सम्मान कार्यक्रम के क्रम में प्रतियोगिता के दौरान चिकित्सा शिविर लगाए जाने पर प्रतियोगिता आयोजकों द्वारा इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी गोरखपुर ब्रांच के रक्तदान प्रभारी ज्ञानेन्द्र ओझा को सम्मानित मेयर डा मंगलेश श्रीवास्तव, ग्रामीण विधायक विपिन सिंह, संयुक्त शिक्षा निदेशक सतीश सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक डा अमरकांत सिंह द्वारा सम्मानित किया गया, राष्ट्रीय प्रतियोगिता कार्यक्रम में सम्मानित किये जाने पर रेडक्रॉस गोरखपुर के सभापति शिवेंद्र विक्रम सिंह, उपसभापति डा दिनेश मणि त्रिपाठी, सचिव एवं मंडल प्रभारी अजय प्रताप सिंह, कोषाध्यक्ष विशाल जयसवाल, डा संतोष नायक, डा भानु प्रताप सिंह, नागेंद्र सिंह मुन्ना, संगीता राय, प्रतिमा शुक्ला, सुषमा त्रिपाठी, शिखा पाण्डेय, उमेश चंद किरन, आदित्य निगम, विशवेश कुमार, अनन्त कुमार आदि ने प्रसन्नता व्यक्त किया।

दक्षिणांचल के औद्योगिक विकास को लेकर योगी सरकार संजीदा

गोरखपुर के दक्षिणांचल के औद्योगिक विकास को लेकर योगी सरकार काफी संजीदा है। धुरियापार में बनने के बाद से ही बंद पड़ी चीनी मिल के कुछ हिस्से में इंडियन ऑयल की तरफ से कम्प्रेस्ड बायो गैस प्लांट लगाया जा चुका है। इस प्लांट के बाद धुरियापार इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के मूर्त रूप में आने के बाद इस क्षेत्र का कायाकल्प हो जाएगा। इंडस्ट्रियल कॉरिडोर में लगने वाले उद्योगों से करीब 10,000 से अधिक लोगों को रोजगार सुलभ होगा। गीडा की सीईओ अनुज मलिक बताती हैं कि धुरियापार इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के लिए निवेश प्रस्ताव आने शुरू हो गए हैं। अडानी समूह और जेके ग्रुप ने इस कॉरिडोर में सीमेंट फैक्ट्री लगाने के लिए क्रमशः 65 और 50 एकड़ जमीन की मांग की है। इसके अलावा कई अन्य औद्योगिक समूह यहां निवेश में रुचि दिखा रहे हैं।

शिविर में चिन्हित 105 दिव्यांगजनों को सरयू अमृत महोत्सव में वितरण किया जाएगा उपकरण

चिन्हित दिव्यांगजनों को उपकरण 20 व 21 और 22 दिसंबर को आयोजित सरयू अमृत महोत्सव में वितरण किया जाएगा

गोला गोरखपुर । । उपनगर गोला में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के सामने बुधवार को आयोजित सरयू अमृत महोत्सव 2024 के तत्वाधान में शासन के निर्देशानुसार चिल्लूपार विधानसभा के विधायक राजेश त्रिपाठी के प्रतिनिधि आचार्य वेद प्रकाश त्रिपाठी के नेतृत्व में दिव्यांगजन व वृद्ध जनों के लिए निशुल्क आवश्यक उपकरण वितरण पंजीकरण शिविर का आयोजन किया गया है। जिसमें 105 दिव्यांग जनों के जीवन को सुगम एवं आसन बनाने के लिए जनपद से आए विशेष शिक्षक नागेंद्र पांडेय पुनर्वास अधिकारी राजेश कुमार यादव सहायक बिट्टू कुमार के टीम की देखरेख में चिन्हित कर पंजीकरण किया गया। इसके पश्चात शिविर को संबोधित करते हुए चिल्लूपार विधानसभा के विधायक प्रतिनिधि आचार्य वेद प्रकाश त्रिपाठी ने प्रदेश सरकार का धन्यवाद देते हुए शिविर में किए जाने वाले कार्यों और योजनाओं से अवगत कराया। आगे कहा कि मानवता के कारण हम सभी का कर्तव्य होता है कि पात्र व्यक्ति को सरकार की योजनाओं का लाभ दिलाए। और जानकारी देते हुए बताया कि चिन्हित दिव्यांगजनों को उपकरण 20 व 21 और 22 दिसंबर को आयोजित सरयू अमृत महोत्सव में वितरण किया जाएगा।शिविर में जनपद से आए अधिकारियों ने बताया कि सरकार के द्वारा दिव्यांग जनों को सहायक उपकरण उपलब्ध कराने को लेकर शिविर में चिन्हिकरण किया गया। इन्हें इनकी आवश्यकता के अनुसार सहायक उपकरण वितरण किए जाएंगे। आगे विभाग द्वारा दिव्यांग जनों से संबंधित महत्वपूर्ण योजनाओं की जानकारी दी।इस अवसर पर मित्र मंडल अध्यक्ष बनवारी प्रसाद जिपंस बालचंद सोनकर लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी डॉ बृजभूषण मिश्र मंडल अध्यक्ष गोपालपुर संतोष त्रिपाठी निशा मौर्या जनसंपर्क प्रभारी विद्याधर पांडेय शंभू चंद उमेश यादव सूरज कुमार संदीप सोनकर अरुण मौर्य अमरमणि त्रिपाठी जगत कुमार मिश्र अंकुर पांडेय सहित आदि लोग मौजूद रहे।

0004

राजकुमार अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल इकाई गोरखपुर के जिला उपाध्यक्ष हुए मनोनीत

गोला गोरखपुर । । नगर पंचायत बड़हलगंज के निवासी वैश्य समाज के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं भाजपा नेता को अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल इकाई गोरखपुर द्वारा जिला उपाध्यक्ष पद पर किया गया मनोनीत। श्री जायसवाल को जिला उपाध्यक्ष मनोनीत होने पर अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के सभी संगठन के पदाधिकारी ने फूलों माला पहनाकर बधाई दिया और इकाई के अध्यक्ष राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप बंसल अध्यक्ष बलराम अग्रवाल महामंत्री अमित अग्रवाल सिराज खान सौरभ केडिया जिला महामंत्री अमित टिबरेवाल ने कहा कि श्री जायसवाल के जिला उपाध्यक्ष बनने पर संगठन में मजबूती आएगी और संगठन का विस्तार होगा। अपने मनोनयन से अभिभूत होकर जिला उपाध्यक्ष श्री जायसवाल ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री बंसल जी ने मेरे ऊपर भरोसा किया मैं उनके भरोसे को टूटने नहीं दूंगा और नए सिरे से संगठन को मजबूती की ओर ले जाऊंगा। सभी जगह इकाई का तेजी से विस्तार करूंगा सभी व्यापारी गण मेरे लिए एक समान है।

पुलिस ने दर्ज किया मनबढ़ के खिलाफ मुकदमा

हाटाबाजार गोरखपुर । गगहा पुलिस बुधवार को डेमुसा निवासी व मारपीट में घायल दीनानाथ के पुत्र विशाल की शिकायत पर उसी गांव के आरोपी संदीप चौहान के खिलाफ गैर इरादतन हत्या के प्रयास सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश कर रही है। डेमुसा निवासी दीनानाथ गौड़ सोमवार की रात एक कार्यक्रम में कमलेश गुप्ता के घर से खाना बनाकर घर लौट रहा था। गांव के रास्ते पर एक युवक खड़ा हो कर गाली दे रहा था। दीनानाथ ने गाली देने से मना किया तो वह भड़क गया और वह दीनानाथ को पकड़ कर लात और घूसे से पीटने लगा। इस दौरान दीनानाथ भागने का प्रयास किया तो आरोपी युवक ईंट से दीनानाथ के सीने पर कई बार मारा। इस दौरान दीनानाथ जमीन पर गिर पड़ा और खून की उल्टी शुरू हो गयी। घटना के बाद आरोपी भाग निकला। घटना की जानकारी के बाद स्वजन घायल को स्थानीय अस्पताल ले गये। जहां चिकित्सकों ने जिला अस्पताल भेज दिया। स्वास्थ्य में सुधार न होने पर मेडिकल कालेज भेज दिया गया। स्वजन दीनानाथ को गोरखपुर स्थित सावित्री अस्पताल में भर्ती किया है। वहां दीनानाथ की हालत गंभीर बनी है।

लिटिल बुद्धा के छात्रों का हुआ दंत परीक्षण

सहजनवा गोरखपुर । लिटिल बुद्धा स्कूल में दंत समस्या एवं साफ सफाई के प्रति जागरुकता के उदेश्य से छात्र–छात्राओं के लिए दंत चिकित्सा शिविर का आयोजन हुआ जिसमें शहर की प्रसिद्ध दंत चिकित्सक डॉ0 ईशा जैन गुलाटी एवं उनकी टीम द्वारा 69 छात्र–छात्राओं का दंत परीक्षण किया गया। दांत स्वस्थ एवं मजबूत रहे इसके लिए क्या खाना चाहिए एवं क्या नहीं खाना चाहिए इससे अवगत कराया गया। छात्र–छात्राओं के साथ आये सभ्रान्त अभिभावकों को संबोधित करते हुए डॉ0 गुलाटी ने कहा कि आप अपने दांत का ख्याल अगर शुरुआत से ही करते हैं तो यह आपका लम्बे समय तक साथ देंगे और अगर आपने अत्यधिक चॉकलेट, फास्ट फास्ट फूड, कोल्ड ड्रिंक, पैकेट बंद फूड का सेवन किया और अपने दांत की समुचित रूप से साफ सफाई नहीं की तो कम आयु में आपके दांत आपका साथ छोड़ देंगे।

संस्था प्रबंधक डॉ0 संगीता अग्रवाल ने कहा कि आप अपनी सेहत के प्रति सदैव जागरूक एंव सजग रहे नियमित दिनचर्या व्यायाम सही खान–पान का उपयोग करें और कम से कम टी0वी0 एवं मोबाइल का प्रयोग करें अगर आप अपनी ऊर्जा एवं समय टी0वी0 एवं मोबाइल में ही लगा देंगे तो आपके जीवन में निर्धारित लक्ष्य अधूरे रह जाएंगे। संस्था की प्राचार्य साहिस्ता खान ने उपस्थित अतिथि एवं अभिभावकों का स्वागत कर धन्यवाद ज्ञापित किया कार्यक्रम में ममता मिश्रा, नजमा, नेहा यादव, सबा, प्रिया भारती, इत्यादि लोगो कि अहम भूमिका रही।

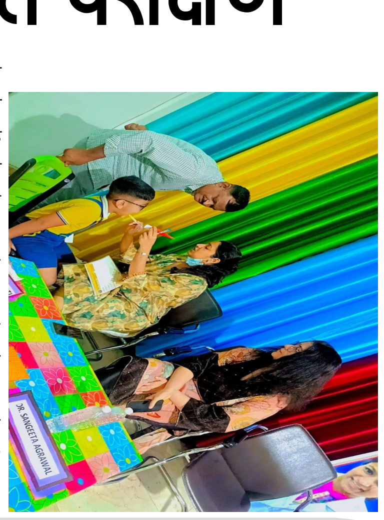

जिलाधिकारी ने नवीन मण्डी, ओसा का आकस्मिक निरीक्षण कर धान बिक्री का लिया जायजा

कौशाम्बी। (आरएनएस) जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी द्वारा आज नवीन मण्डी, ओसा में बनाये गये धान क्रय केन्द्रों का आकस्मिक निरीक्षण कर जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने धान क्रय केन्द्र में पहुँचकर नमी मापक यंत्र से धान की नमी की जॉच करायी एवं धान के वजन की भी जॉच अपने सामने करायी। उन्हांने सभी केन्द्र प्रभारियों को सख्त हिदायत देते हुए कहा कि शासन द्वारा निर्धारित मानकों के अनुसार ही धान की माप किया जाय, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। उन्होंने कहा कि जो भी किसान धान बिक्री के लिए क्रय केन्द्र पर आयें, उन्हें अनावश्यक परेशान न किया जाय, किसी भी दशा में किसान अपना धान वापस न ले जाने पायें एवं समय से उनका धान तौलध्क्रय किया जाय। उन्होंने कहा कि किसी भी स्तर पर घटतौली आदि की शिकायत न प्राप्त होने पाये, शिकायत प्राप्त होने पर सम्बन्धित के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जायेंगी। उन्होंने क्रय केन्द्रों पर किसानों को पीने के पानी एवं बैठने के लिए छाया की व्यवस्था सुनिश्चित बनाये रखने के निर्देश जिला खाद्य एवं विपणन अधिकारी

के.डी.न्यूज (हिन्दी दैनिक)

नीतीश रेड्डी को मिल सकता है टेस्ट में डेब्यू का मौका, जानें गेंदबाजी कोच ने क्या कहा ?

बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी 2024–25 के तहत पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का आगाज 22 नवंबर से पर्थ से होगा। वहीं इस सीरीज से पहले टीम इंडिया के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्केल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की, जहां उन्होंने पर्थ टेस्ट में 21 वर्षीय ऑलराउंडर नीतीश रेड्डी के डेब्यू के संकेत भी दिए। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी 2024–25 के तहत पांच मैचों की

टेस्ट सीरीज का आगाज 22 नवंबर से पर्थ से होगा। वहीं इस सीरीज से पहले टीम इंडिया के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्केल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की, जहां उन्होंने टीम इंडिया से जुड़े कई मुद्दों पर बात की और पत्रकारों के सवालों के जवाब दिए। इस दौरान कोच मोर्न मोर्कल ने पर्थ टेस्ट में 21 वर्षीय ऑलराउंडर नीतीश रेड्डी के डेब्यू के संकेत भी दिए। आंध्र प्रदेश के ऑलराउंडर नीतीश ने पिछले कुच समय में अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया है। मैच से पूर्व प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए मोर्न मोर्कल ने रेड्डी को लेकर कहा कि, वह युवा खिलाड़ियों में से एक है। ऑलराउंडर्स की काबिलियत है। वह एक ऐसे खिलाड़ी हैं जो हमारे लिए एक छोर संभाल सकते हैं, खासकर पहले कुछ दिनों तक। दुनिया की हर टीम एक ऐसा ऑलराउंडर को चाहती है जो तेज गेंदबाजों की मदद कर सके। ये बुमराह पर निर्भर करेगा कि उसका कैसे इस्तेमाल करते हैं। निश्चित रूप से इस सीरीज में उन पर नजर रखनी होगी। नीतीश तेज गेंदबाजी करने के अलावा अच्छी बल्लेबाजी भी कर लेते हैं और इसी वजह से चयन समिति ने चोट से उबरने के बाद वापसी करने वाले शार्दुल ठाकुर पर उन्हें प्राथमिकता दी है। नीतीश के पास अपनी काबिलियत साबित करने करने का ये बेहतरीन मौका होगा। दिल्ली के तेज गेंदबाज हर्षित राणा और आंध्रा के ऑलराउंडर नीतीश रेड्डी को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए रोहित शर्मा की अगुवाई वाली 18 सदस्यी भारतीय टीम में पहली बार शामिल किया गया है।

नंबर 1 आलराउंडर का ताज हार्दिक पंड्या के सिर सजा, तिलक वर्मा को भी हुआ बड़ा फायदा

भारत के हार्दिक पंड्या एक बार फिर दुनिया के नंबर 1 ऑलराउंडर बने हैं। वहीं टीम इंडिया के युवा स्टार बल्लेबाज तिलक वर्मा ने बल्लेबाजी रैंकिंग में बड़ी छलांग लगाते हुए टॉप–3 में अपनी जगह बनाई है। न्होंने टी20 इंटरनेशनल ऑलराउंडर रैंकिंग में इंग्लैंड के लियाम लिविंगस्टोन और नेपाल के दीपेंद्र सिंह ऐरी को पछाड़ा है।आईसीसी ने टी20 की ताजा रैंकिंग जारी कर दी है। इस रैंकिंग में भारत के हार्दिक पंड्या एक बार फिर दुनिया के नंबर 1 ऑलराउंडर बने हैं। वहीं

टीम इंडिया के युवा स्टार बल्लेबाज तिलक वर्मा ने बल्लेबाजी रैंकिंग में बड़ी छलांग लगाते हुए टॉप–3 में अपनी जगह बनाई है। हार्दिक पंड्या ने हाल ही में साउथ अफ्रीका दौरे पर भारत के लिए बेहतरीन प्रदर्शन किया था। इस कड़ी में उन्होंने टी20 इंटरनेशनल ऑलराउंडर रैंकिंग में इंग्लैंड के लियाम लिविंगस्टोन और नेपाल के दीपेंद्र सिंह ऐरी को पछाड़ा है। 31 वर्षीय हार्दिक ने गेंद और बल्ले दोनों आकर्षक प्रदर्शन किया था।

भारत और आस्ट्रेलिया के पांच टेस्ट मैचों की सबसे बड़ी भिड़ंत, यहां जानें सीरीज का पूरा शेड्यूल

दरअसल, 22 नवंबर से भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 5 मैचों की टेस्ट सीरीज के रूप में बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी का आगाज हो रहा है। भारतीय टीम सीरजी शुरू होने से 10 दिन पहले ही ऑस्ट्रेलिया पहुंची और तैयारियों में जुट गई। इस सीरीज को लेकर दोनों देशों के क्रिकेट दिग्गज बयानबाजी कर रहे हैं। 22 नवंबर के लिए क्रिकेट जगत के लिए बड़ा दिन होने वाला

है। दरअसल, इस दिन से भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 5 मैचों की टेस्ट सीरीज के रूप में बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी का आगाज हो रहा है। भारतीय टीम सीरजी शुरू होने से 10 दिन पहले ही ऑस्ट्रेलिया पहुंची और तैयारियों में जुट गई। इस सीरीज को लेकर दोनों देशों के क्रिकेट दिग्गज बयानबाजी कर रहे हैं। वर्ल्ड रैंकिंग में जहां ऑस्ट्रेलिया पहले नंबर पर तो भारत दूसरे नंबर पर काबिज है। पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम में शुरू होने वाली इस सीरीज के तहत पांच टेस्ट मैच खेले जाएंगे, जो कि पहली बार होगा। इससे पहले बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी में 4 टेस्ट मैच खेले जाते थे। वहीं भारतीय टीम ने इससे पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ घर पर तीन मैचों की टेस्ट सीरीज 3–0 से गंवाई जिसके बाद टीम पर काफी दबाव है।

आर अश्विन रच सकते हैं इतिहास, बनाएंगे वर्ल्ड रिकार्ड, बस करना होगा ये काम

बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी का पहला टेस्ट 22 नवंबर को पर्थ में खेला जाएगा। इस सीरीज पर पूरे क्रिकेट जगत की नजरें हैं, क्योंकि वर्ल्ड टेस्ट चौंपियनशिप फाइनल की रेस में बनी दो सर्वश्रेष्ठ टीमों के बीच ये भिड़ंत होने वाली है। । वहीं अश्विन इस सीरीज में इतिहास रच सकते हैं।भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी का पहला टेस्ट 22 नवंबर को पर्थ में खेला जाएगा। इस सीरीज पर पूरे क्रिकेट जगत की नजरें हैं, क्योंकि वर्ल्ड टेस्ट चौंपियनशिप फाइनल की रेस में बनी दो सर्वश्रेष्ठ टीमों के बीच ये भिड़ंत होने वाली है। भारत के पास ऑस्ट्रेलिया में सीरीज जीतने की हैट्रिक लगाने का बेहतरीन मौका है। ये सीरीज जीतने पर भारत वर्ल्ड टेस्ट चौंपियनशिप फाइनल की दौड़ में बना रहेगा। ऑस्ट्रेलिया की नजरें लंबे समय बाद घर पर सीरीज जीतने पर

भारत–कनाडा की तल्खी का दुनिया पर असर

कनाडा और भारत के बीच के विवाद पर अलग–अलग देशों की प्रतिक्रियाएं भी सामने आई। कनाडा से जुड़े मामले को फाइव आइज देशों (अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, और न्यूजीलैंड) ने चिंताजनक स्थिति बताया। आज की तारीख में अगर हम पाकिस्तान के अलावा किसी और एक देश का जिक्र करें जिसके साथ भारत के रिश्ते सबसे बुरे दौर से गुजर रहे हैं। तपाक से नाम कनाडा का नाम आ जाता है। खालिस्तान के मामले को लेकर भारत पिछले कई सालों से कनाडा से ये उम्मीद जता रहा है कि वो अलगाववाद और खालिस्तानियों के खिलाफ कुछ न कुछ ठोस और सख्त कार्रवाई करेगा। कनाडा भारतीय नागरिकों और अधिकारियों को सुरक्षा दे पाने में पिछले कई सालों में असमर्थ साबित हुआ है। हालांकि पिछली असहमतियों के कारण संबंधों में तनाव आया है, लेकिन कोई भी खुले टकराव के इस स्तर तक नहीं पहुंचा है। 1974 में भारत ने एक परमाणु उपकरण का विस्फोट करके दुनिया को चौंका दिया, जिस पर कनाडा ने नाराजगी जताई, जिसने भारत पर एक कनाडाई रिएक्टर से प्लूटोनियम निकालने का आरोप लगाया, जो कि केवल शांतिपूर्ण उपयोग के लिए दिया गया एक उपहार था। अमेरिकी थिंक टैंक विल्सन सेंटर के माइकल कुगेलमैन ने बीबीसी को बताया, ष्यह रिश्ता कई सालों से गिरावट की राह पर है, लेकिन अब यह निचले स्तर पर पहुंच गया है।

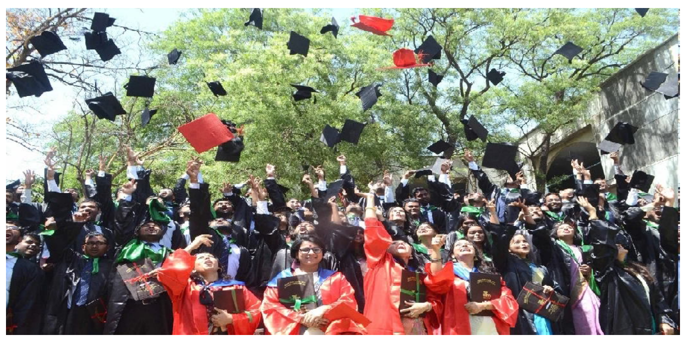

कनाडा और भारत के बीच के विवाद पर अलग–अलग देशों की प्रतिक्रियाएं भी सामने आई। कनाडा से जुड़े मामले को फाइव आइज देशों (अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, और न्यूजीलैंड) ने चिंताजनक स्थिति बताया। हालांकि कनाडा को छोड़कर बाकी इन देशों ने भारत के खघ्लिाफ सीधे तौर पर कोई कड़ा बयान नहीं दिया। इसके पीछे इंडो–पैसिफिक क्षेत्र में भारत का महत्व अहम रोल अदा करता है। सभी ने यही कहा है कि कानून का पालन होना चाहिए और ऐसी एक्स्ट्रा–टेरेटोरियल किलिंग्स ठीक नहीं। कुल मिलाकर देंखे तो फाइव आइज देशों से बहुत ही नियंत्रित प्रतिक्रिया आई। आतंकवाद प्रायोजक स्टेट एक ऐसा दर्जा जो संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद के कृत्यों का समर्थन करने के लिए कुछ देशों पर लागू किया जाता है। यह पदनाम केवल अमेरिकी विदेश मंत्री द्वारा ही लागू किया जा सकता है। इस स्थिति में कानूनी, आर्थिक और राजनयिक परिणाम शामिल हैं। जैसा कि अमेरिकी विदेश विभाग की वेबसाइट में उल्लेख किया गया है, राज्य सचिव द्वारा अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद के कृत्यों के लिए बार–बार समर्थन प्रदान करने के लिए निर्धारित देशों को तीन कानूनों निर्यात प्रशासन अधिनियम की धारा 6 (जे), हथियार निर्यात नियंत्रण की धारा 40 अधिनियम, और विदेशी सहायता अधिनियम की धारा 620ए के अनुसार नामित किया गया है। इससे क्या असर पड़ता है और अभी कौन कौन इस लिस्ट में शामिल एक बार इस तरह नामित होने के बाद इन देशों को कई प्रतिबंधों का सामना करना पड़ता है, जैसे अमेरिकी विदेशी सहायता पर प्रतिबंध, रक्षा निर्यात और बिक्री पर प्रतिबंध, दोहरे उपयोग वाली वस्तुओं के निर्यात पर कुछ नियंत्रण और विविध वित्तीय और अन्य प्रतिबंध शामिल हैं। इसके अलावा, ये देश अमेरिकी संघीय और राज्य अदालतों में प्रतिरक्षा खो देते हैं। इसका मतलब यह है कि देश अब अमेरिकी नागरिकों, अमेरिकी सशस्त्र बलों के सदस्यों और अमेरिकी सरकारी कर्मचारियों द्वारा अमेरिका में लाए गए मुकदमों से अछूता नहीं रहेगा। वर्तमान में अमेरिका ने चार देशों क्यूबा, डेमोक्रेटिक पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ कोरिया (उत्तर कोरिया), ईरान और सीरिया को इस श्रेणी में रखा है। भारत क्या क्या कर सकता है? वर्तमान में भारत के पास ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है। हालाँकि, यह प्रतिबंध या तो आर्थिक या रक्षा–संबंधी लग सकता है। नई दिल्ली कनाडा पर आर्थिक प्रतिबंध लगा सकती है, जिसका ओटावा पर काफी असर पड़ सकता है। भारत कनाडा की अर्थव्यवस्था को काफी नुकसान पहुंचा सकता है जो पहले से ही भारत के पक्ष में व्यापार असंतुलन का सामना कर रहा है।

ट्रूडो की कूटनीतिक उदासीनता, ओटावा में आतंक का राज

यह काफी हद तक तभी साफ हो गया था जब पिछले साल महज सूचनाओं के आधार पर जस्टिन ट्रूडो ने आरोप लगा दिया था कि वहां हुई एक खालिस्तान समर्थक नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत का हाथ है। तब भी भारत ने यही कहा था कि उनके पास अगर कोई ठोस सबूत हैं तो मुहैया कराएं। लेकिन उधर से कोई सबूत नहीं दिए गए। पिछले दिनों खुद ट्रूडो को एक समिति के सामने कबूल करना पड़ा कि उनके पास कोई सबूत नहीं थे। आतंकी निज्जर की हत्या को लेकर पिछले साल जो विवाद शुरू हुआ था वो अब राजनयिकों के बाहर किए जाने के बाद गहरा गया है। भारत और कनाडा के बीच डिप्लोमेसी वॉर का आगाज हो गया है। कनाडा ने भारत के खिलाफ संभावित प्रतिबंधों का संकेत दिया और दावा किया कि उसके पास इस हत्या में भारतीय सरकारी एजेंटों के शामिल होने के सबूत हैं। कनाडा सरकार ने बिश्नोई गिरोह और भारत सरकार के एजेंटों के बीच संबंधों का आरोप लगाते हुए उन पर कनाडा में गुप्त अभियान और हिंसक गतिविधियों को अंजाम देने का आरोप लगाया। भारत ने सिख नेता की हत्या या देश में किसी भी अन्य आपराधिक गतिविधियों में शामिल होने से इनकार करते हुए कनाडा के आरोपों को दृढ़ता से खारिज कर दिया। भारत में आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि निज्जर मामले में सबूत साझा करने का कनाडा का दावा झूठा था। यह काफी हद तक तभी साफ हो गया था जब पिछले साल महज सूचनाओं के आधार पर जस्टिन ट्रूडो ने आरोप लगा दिया था कि वहां हुई एक खालिस्तान समर्थक नेता हरदीप सिंह निज्जर की

हत्या में भारत का हाथ है। तब भी भारत ने यही कहा था कि उनके पास अगर कोई ठोस सबूत हैं तो मुहैया कराएं।

लेकिन उधर से कोई सबूत नहीं दिए गए। पिछले दिनों खुद ट्रूडो को एक समिति के सामने कबूल करना पड़ा कि उनके पास कोई सबूत नहीं थे। कनाडा में खालिस्तानी समर्थकों का वोट हासिल करने के लिए वो भारत के खिलाफ प्रोपगेंडा फैला रहे। लेकिन उनके आरोपों का कोई ठोस सबूत अब तक सामने नहीं आया। भारत ने इस मामले में साफ कह दिया कि ये आरोप बेबुनियाद है। भारत ने कनाडा से बार बार सबूत मांगे लेकिन ट्रूडो की सरकार ने कोई सबूत पेश नहीं किया। इसमें कोई संदेह नहीं है कि ट्रूडो कनाडा में भारत विरोधी खालिस्तानी तत्वों को बढ़ावा देने और संरक्षण देने में माहिर हैं। फिर भी, भारत को उनके कूटनीतिक भोलेपन के लिए आभारी होना चाहिए, जिसने कनाडा की धरती पर चल रहे खालिस्तानी आतंक का अंतर्राष्ट्रीयकरण करने में मदद की है। आखघ्रिकार, यह भारत–विरोधी नेटवर्क न तो उत्तरी अमेरिकी देश में कोई हालिया घटना है, न ही यह जस्टिन ट्रूडो–केंद्रित डेवलपमेंट है।

ट्रूडो की कूटनीतिक उदासीनता, ओटावा में आतंक का राज

यह काफी हद तक तभी साफ हो गया था जब पिछले साल महज सूचनाओं के आधार पर जस्टिन ट्रूडो ने आरोप लगा दिया था कि वहां हुई एक खालिस्तान समर्थक नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत का हाथ है। तब भी भारत ने यही कहा था कि उनके पास अगर कोई ठोस सबूत हैं तो मुहैया कराएं। लेकिन उधर से कोई सबूत नहीं दिए गए। पिछले दिनों खुद ट्रूडो को एक समिति के सामने कबूल करना पड़ा कि उनके पास कोई सबूत नहीं थे।आतंकी निज्जर की हत्या को लेकर पिछले साल जो विवाद शुरू हुआ था वो अब राजनयिकों के बाहर किए जाने के बाद गहरा गया है। भारत और कनाडा के बीच डिप्लोमेसी वॉर का आगाज हो गया है। कनाडा ने भारत के खिलाफ संभावित प्रतिबंधों का संकेत दिया और दावा किया कि उसके पास इस हत्या में भारतीय सरकारी एजेंटों के शामिल होने के सबूत हैं। कनाडा सरकार ने बिश्नोई गिरोह और भारत सरकार के एजेंटों के बीच संबंधों का आरोप लगाते

हुए उन पर कनाडा में गुप्त अभियान और हिंसक गतिविधियों को अंजाम देने का आरोप लगाया। भारत ने सिख नेता की हत्या या देश में किसी भी अन्य आपराधिक गतिविधियों में शामिल होने से इनकार करते हुए कनाडा के आरोपों को दृढ़ता से खारिज कर दिया। भारत में आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि निज्जर मामले में सबूत साझा करने का कनाडा का दावा झूठा था।

खालिस्तान के नाम से ही इतना डर क्यों जाते हैं कनाडा के पीएम

एक पत्रकार ने जब जस्टिन ट्रूडो से सवाल किया कि भारत का कहना है कि आप सिख चरमपंथियों पर नरम रुख अपनाते हैं। क्योंकि आप उस समुदाय के वोटों पर निर्भर हैं। इस पर जस्टिन ट्रूडो ने जवाब दिया कि भारत सरकार गलत है। कनाडा ने हमेशा हिंसा और हिंसा की धमकियों को बेहद गंभीरता से लिया है। बयान देते हुए जस्टिन ट्रूडो इतना डरे हुए थे कि वो खालिस्तानी शब्द का इस्तेमाल तक नहीं कर पाए। जस्टिन ट्रूडो ने कहा कि भारत को ऐसा नहीं कहना चाहिए कि हम खालिस्तानियों के खिलाफ एक्शन नहीं ले रहे। लेकिन आपको जस्टिन ट्रूडो का एक पाखंड बताते हैं। स्वाभाविक ही सवाल उठता है कि आखिर ट्रूडो सरकार इस तरह की हरकतें क्यों कर रही है जो अंतरराष्ट्रीय कूटनीति के तय मानकों में कहीं से फिट नहीं बैठतीं। घटनाओं और हालात के जरिए इसे समझने की कोशिश करें तो यह जाहिर हो जाता है कि वह घरेलू राजनीतिक दबावों और चुनावी फायदों से निर्देशित हो रही है। अंतरराष्ट्रीय कूटनीति के मानक और द्विपक्षीय रिश्तों की बेहतरी कम से कम फिलहाल उसकी प्राथमिकता में नहीं हैं। एक पत्रकार ने जब जस्टिन ट्रूडो से सवाल किया कि भारत का कहना है कि आप सिख चरमपंथियों पर नरम रुख अपनाते हैं। क्योंकि आप उस समुदाय के वोटों पर निर्भर हैं। इस पर जस्टिन ट्रूडो ने जवाब दिया कि भारत सरकार गलत है। कनाडा ने हमेशा

हिंसा और हिंसा की धमकियों को बेहद गंभीरता से लिया है। बयान देते हुए जस्टिन ट्रूडो इतना डरे हुए थे कि वो खालिस्तानी शब्द का इस्तेमाल तक नहीं कर पाए। जस्टिन ट्रूडो ने कहा कि भारत को ऐसा नहीं कहना चाहिए कि हम खालिस्तानियों के खिलाफ एक्शन नहीं ले रहे। लेकिन आपको जस्टिन ट्रूडो का एक पाखंड बताते हैं। जिस वक्त जस्टिन ट्रूडो भारत को गलत बोल रहे थे। ठीक उसी समय कनाडा में भारतीय दूतावास के बाहर भारतीय राजनयिकों की एक पोस्टर लगी थी। जिसमें उन्हें निशाना बनाए जाने की बात कही गई थी। यानी खालिस्तानी समर्थक कनाडा में खुलेआम भारतीय राजनयिकों पर हमले की बात कर रहे हैं। लेकिन जस्टिन ट्रूडो की माने तो कनाडा में ऐसा कुछ नहीं हो रहा है। साल 2019 में कनाडा में आम चुनाव हुए थे। ट्रूडो ने चुनाव में जीत तो दर्ज कर ली थी लेकिन वो सरकार नहीं बना सकते थे। उनकी लिबरल पार्टी ऑफ कनाडा को 157 सीटें मिली थी। विपक्ष की कंजरवेटिव पार्टी को 121 सीटें हासिल हुई थीं। ट्रूडो के पास सरकार बनाने के लिए बहुमत नहीं था। सरकार बनाने के लिए उन्हें 170 सीटों की दरकार थी। जिसकी वजह से ट्रूडो की पार्टी ने कनाडा के चुनाव में 24 सीटें हासिल करने वाली न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी (एनडीपी) का समर्थन लिया। इस पार्टी के मुखिया जगमीत सिंह है जो खालिस्तान आंदोलन के बड़े समर्थक हैं। ट्रूडो के लिए सत्ता में रहने का मतलब जगमीत को खुश रखना है। बहुमत के आंकड़ों के लिहाज से उनके लिए जगमीत की पार्टी का समर्थन बेहद जरूरी है। चुनाव के बाद सिंह और ट्रूडो ने कॉन्फिडेंस एंड सप्लाई एग्रीमेंट को साइन किया था। हालांकि हालिया घटनाक्रम में समझौते की समाप्ति के साथ, कनाडा पारंपरिक अल्पसंख्यक संसद की राजनीति में लौट आया है।

भारतीयों के लिए कनाडा पहली पसंद क्यों ?

कनाडा में 17.6 लाख निवासी भारतीय हैं। भारत की जनसंख्या की तुलना में कनाडा विश्व में सातवें स्थान पर है। इनमें से 15.1 लाख लोगों ने कनाडा या दूसरे देशों की नागरिकता ले ली है। वहां 1.8 लाख निवासी भारतीय हैं। कनाडा, एक ऐसा देश जो लाखों हिंदुस्तानियों के दिलों में बसता है। हालांकि पिछले कुछ वक्त से सिख अलगाववादी नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मामले को लेकर भारत और कनाडा के संबंध सबसे खराब दौर से गुजर रहे हैं। लेकिन इस देश का जादू ही है कि लोग अपनी जड़ें छोड़कर कनाडा आना चाहते हैं। तमाम बाधाओं के बावजूद आखिर ऐसा क्या है जो विदेश में पढ़ाई की इच्छा रखने वाले भारतीयों के लिए कनाडा पहली पसंद बना हुआ है? इस साल की शुरुआत में कनाडा ने इंटरनैशनल स्टूडेट्स के लिए श्स्टडी परमिटश में कटौती करने का ऐलान कर दिया और पति–पत्नी ओपन वर्क परमिट को बंद कर दिया। इसका सीधा सा अर्थ

है कि अधिकांश स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए छात्र अपने जीवनसाथी के साथ नहीं जा सकते।कनाडा में 17.6 लाख निवासी भारतीय हैं। भारत की जनसंख्या की तुलना में कनाडा विश्व में सातवें स्थान पर है। इनमें से 15.1 लाख लोगों ने कनाडा या दूसरे देशों की नागरिकता ले ली है। वहां 1.8 लाख निवासी भारतीय हैं। जिन्होंने 2021 में भारत में अपने परिवारों को लगभग 4 बिलियन डॉलर भेजे हैं। कनाडा धन प्रेषण के मामले में नौवें स्थान पर है। कनाडा भारतीय छात्रों का फेवरेट डेस्टिनेशन रहा है। ओटावा में भारतीय उच्चायोग की वेबसाइट के अनुसार, शिक्षा भारत और कनाडा के बीच पारस्परिक हित का एक प्रमुख क्षेत्र है। भारत विदेशी छात्रों का सबसे बड़ा स्रोत है और अनुमानित तौर पर 4,27,000 भारतीय विद्यार्थी कनाडा में पढ़ रहे हैं। अमेरिका के बाद कनाडा भारतीय छात्रों की दूसरी पसंद है। विदेश में पढ़ने वाले कुल 13.84 प्रतिशत भारतीय छात्र कनाडा जाते हैं। बता दें कि कनाडा ने 2023 में 5,09,390 विदेशी स्टूडेंट्स को स्टडी वीजा दिया था. इस साल (2024) पहले सात महीनों में 1,75,920 स्टूडेंट वीजा मंजूर किए गए हैं। कनाडा में मजबूत जॉब मार्केट है। खासकर आईटी, हेल्थ और कुशल ट्रेड्स के सेक्टर में अच्छा स्कोप है। इसके साथ ही बेहतर सैलरी और कैरियर में आगे बढ़ने के अवसर मिलते हैं। कनाडा की नीति में बदलाव के बावजूद, ये वो मूलभूत गुण हैं जो देश को अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए आकर्षक का केंद्र बनाते हैं। कनाडा की शिक्षा प्रणाली विश्व स्तर पर बेहतर मानी जाती है। काफी भारतीय छात्र कनाडा में अपनी पढ़ाई के लिए जाते हैं और ग्रेजुएट होने के बाद अपने स्टूडेंट वीजा को परमानेंट रेजीडेंसी में बदलवा लेते हैं। साल 4.31 लाख से अधिक नए स्थायी निवासियों का स्वागत कनाडा को एक सुरक्षित और राजनीतिक रूप से स्थिर देश माना जाता है, जो बेहतर भविष्य की तलाश कर रहे लोगों के लिए उपयुक्त है। इन सभी वजहों से काफी भारतीय कनाडा में नई जिंदगी की शुरुआत के लिए प्रेरित होते हैं। जिससे यह भारतीय प्रवासियों के लिए आज के समय का सबसे लोकप्रिय डेस्टिनेशन बन गया है। कनाडा ने हर साल 4.31 लाख से अधिक नए स्थायी निवासियों का स्वागत करने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

अमेरिका को चुनौती, भारत को टेंशन! एयर शो के जरिए चीन ने किया अत्याधुनिक सैन्य तकनीक का प्रदर्शन

12–17 नवंबर तक चलने वाली प्रदर्शनी में लगभग 600,000 विजिटर्स और 280 बिलियन युआन 280 बिलियन युआन या 39 बिलियन डॉलर के ऑर्डर मिले। एयर शो में चीन के जिन हथियारों ने ध्यान खींचा है, उनके बारे में हम यहां बता रहे हैं। श्र35–। (स्टील्थ)रू यह 2017 के श्र–20 के बाद चीन का दूसरा स्टील्थ फाइटर है और यह कम्युनिस्ट राज्य को अमेरिका के

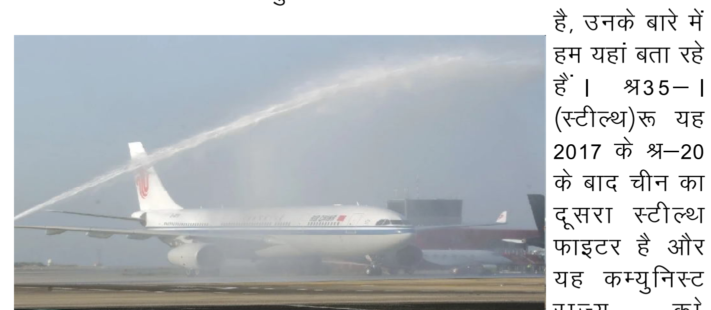

या 39 बिलियन डॉलर के ऑर्डर मिले। एयर शो में चीन के जिन हथियारों ने ध्यान खींचा है, उनके बारे में हम यहां बता रहे हैं। चीन ने दक्षिणी प्रांत गुआंग्डोंग के जुहाई में द्विवार्षिक चीन अंतर्राष्ट्रीय विमानन और एयरोस्पेस प्रदर्शनी में लड़ाकू जेट और मिसाइलों सहित कई नए हथियारों का प्रदर्शन किया। सीएनएन की एक रिपोर्ट के अनुसार, 12–17 नवंबर तक चलने वाली प्रदर्शनी में लगभग 600,000 विजिटर्स और अलावा एकमात्र अन्य देश बनाता है जिसके पास दो प्रकार के स्टील्थ जेट हैं।जेटैंकरू विशाल जेटैंक मदरशिप ड्रोन छह टन तक का पेलोड ले जा सकता है और इसके पंखों का फैलाव 25 मीटर (82 फीट) है। इसमें मिसाइलों और बमों के लिए आठ बाहरी हार्डपॉइंट हैं, साथ ही एक जल्दी से बदलने योग्य मिशन मॉड्यूल भी है, और यह छोटे ड्रोन ले जाएगा। चीन के एयरशो में स्टेल्थ ड्रोन शिप ओर्का भी देखने को मिला है।

स्वामी,प्रकाशक,मुद्रक,**सम्पादक कपिल देव शुक्ल** द्वारा विभव प्रिंटर्स गाटा सं025 लोलेपुर सुलतानपुर उ० प्र०. से मुद्रित तथा सलीमपुर ग्रेन्ट, पो० व थाना कुरेभार, जिला–सुलतानपुर (उ०प्र०) से प्रकाशित **सम्पादक– कपिल देव शुक्ल**,
मो० 9415739288,9721748962
E-mail: kdshukla-79@gmail.com समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र सुल्तानपुर न्यायालय होगा।